भाद्रपद शुक्ल पक्ष-5, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 97 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
20 सितंबर 2023 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31 अधिकतम
23 न्यूनतम

संसद में सोनिया का समर्थन - 'राजीव गांधी का सपना अभी आधा, इस बिल से होगा पूरा'

परिसीमन का इंतजार क्यों, जातीय गणना कराकर लागू हो महिला आरक्षण

नई दिल्ली , एजेंसी।

संसद के विशेष सत्र में आज सियासी रूप से बेहद अहम महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि उनके पति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पहली बार स्थानीय निकायों में स्त्री की भागीदारी तय करने वाला संशोधन लाए थे जो राज्यसभा में 7 वोटों से गिर गया था। बाद में नरसिम्हा राव के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने ही उसे पारित कराया। आज उसी का नतीजा है कि देश के स्थानीय निकायों के जरिए 15 लाख चुनी हुई महिला नेता हैं। सोनिया ने राजीव गांधी का जिक्र %मेरे जीवनसाथी कहकर किया। हालांकि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यह सिर्फ मोदी का बिल है और जिसका गोल उसी का नाम भी होना चाहिये।

इससे पहले संसद में चर्चा की शुरूआत में सोनिया गांधी ने कहा कि राजीव गांधी की सपना अभी तक आधा ही पूरा हुआ है, इस बिल के पारित होने के साथ ही वह पूरा होगा। कांग्रेस इस बिल का समर्थन करती है. हमें इस बिल के पास होने से खुशी है। बिल को लागू करने में होने वाली देरी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, एक चिंता भी है, मैं सवाल पूछना चाहती हूं कि बीते 13 सालों से भारतीय स्त्रियां अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी का इंतजार कर रही हैं और अब उन्हें कुछ और साल इंतजार करने के लिए कहा जा रहा है। क्या भारत की स्त्रियों के साथ यह बर्ताव उचित है। उन्होंने कहा, इसे फौरन अमल में लाया जाए, परिसीमन के लिये न रोक जाए साथ ही जातीय जनगणना कराकर एससी, एसटी, ओबीसी की महिलाओं के आरक्षण की व्यवस्था की जाए। स्त्रियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का यह सबसे उचित समय है। बिल को लागू करनेन में और देरी करना भारत की स्त्रियों के साथ घोर नाइंसाफी है।

मुख्यमंत्री ने किसानों के फार्म भरकर की शुरूआत

कांग्रेस ने बंद की, हम शुरू कर रहे हैं कृषक मित्र योजना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के किसानों को एक नई सौगात मिली है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज यहां कृषक मित्र योजना की शुरूआत की। इस योजना के हितग्राहियों के आवेदन फार्म भरने की शुरूआत में हरदा के निरपतिया ग्राम की महिला कृषक नमिता निरावे इस योजना की पहली हितग्राही बनीं, जिनका आनलाइन फार्म सीएम शिवराज ने खुद भरवाया। इसके अलावा सीएम ने सीहोर के भेरुंदा से आए एक और किसान का आनलाइन फार्म भी भरवाया और कहा कि कांग्रेस ने अपनी एक योजना बंद कर दी थी, जिसका आज हम फिर शुभारंभ कर रहे हैं। शिवराज ने फसल नुकसान को लेकर फिक्रमंद किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि चिंता न करें, मैंने सर्वे के निर्देश दे दिये हैं। अगर नुकसान हुआ है, तो उसकी भरपाई भी की जाएगी।

इस मौके पर सीएम ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं, हमारे प्राणदाता भी हैं। हमने किसानों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये। शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋष्टा उपलब्ध कराने का भी काम किया। अन्नदाता ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी, प्रदेश के अन्न के भंडार भर दिए। उन्होंने कहा कि एक समय मध्यप्रदेश में बिजली का कुल उत्पादन 2900 मेगावाट हुआ करता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर हमने 29हजार किया है। राजा, नवाब और कांग्रेस ने

मिलकर प्रदेश में कुल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की व्यवस्था की। जबकि हमारी सरकार ने अब तक अकेले 47 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की व्यवस्था की और अब 65 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता करने का हमारा लक्ष्य है।

कार्यक्रम में सीएम ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा में बने नवीन परिसर का वर्चुअल लोकार्पण भी किया। इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद थे।

कांग्रेस का आरोप, हंगामा बढा

संविधान से सोशलिस्ट व सेक्युलर शब्द नदारद !

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस सांसद अधीररंजन चौधरी ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए दावा किया है कि 'हमें जो संविधान की कॉपी दी गई और जिसे लेकर हम सदन में गए, उसमें सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं ये दोनों शब्द 1976 में संशोधन के बाद शामिल हुए हैं, लेकिन आज की तारीख में ये दो शब्द संविधान में नहीं रहेंगे तो ये बड़े चिंता की बात है। मैंने आज राहुल गांधी को भी यह दिखाया है, उन्होंने कहा, मैं ये मुद्दा नहीं उठा पाया, क्योंकि मौका नहीं मिला।'चौधरी ने कहा कि ये बड़ी चतुराई से किया गया है इसकी मंशा संदिग्ध है तथा चिंता का विषय है। अधीर ने कहा, अगर इन लोगों के सामने ये मुद्दा उठाया जाएगा, तो ये लोग कहेंगे कि हमने पहले वाली कॉपी दी है। यही बात टीएमसी की सांसद डोला सेन ने भी कही है उनके मुताबिक, पार्टी इसका विरोध करेगी। दरअसल नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सभी सांसदों ने कल नए संसद भवन में प्रवेश किया था। इस दौरान सांसदों को संविधान की एक-एक प्रति दी गई थी। इस पर ही चौधरी ने सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द नहीं होने का आरोप लगाया।

पूर्व भाजपा सांसद कांग्रेस में शामिल

भोपाल। बालाघाट के बड़े बीजेपी नेता और पूर्व सांसद बोध सिंह भगत ने आज कांग्रेस का दामन थाम लिया। पीसीसी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। इससे पहले पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनुभा मुंजारे कांग्रेस की सदस्यता ले चुकी हैं। दोनों नेता अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं। इनके साथ दिलीप सिंह, शराफातुल्लाह खान, सुमित चौबे, राजेश पटेल, आशु बघेल, भीम सिंह पटेल, चंद्रशेखर पटेल आदि शामिल हुए है।

जैसा सोचेंगे वैसा टाइप करने लगेगा कंप्यूटर, खुद चलेगा कर्सर!

इंसानी दिमाग में चिप लगाने को मिली मंजूरी

नई दिल्ली , एजेंसी।

दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार व ट्विटर के मालिक एलेन मस्क को फिर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। मस्क के ब्रेन चिप स्टार्टअप न्यूरालिंक को इंसानी दिमाग में चिप लगाने को लेकर पहला अप्रूवल मिल गया है। खबरों के मुताबिक इसके लिए मस्क की कंपनी ने पहले व्यक्ति कि खोज शुरू कर दी है, जिसे एक रिक्रूटमेंट प्रोसेस के माध्यम से भर्ती किया जाएगा। इस ट्रायल के दौरान पैरालिसिस पेशेंट पर चिपसेट का ट्रायल शुरू किया जाएगा।

बताया जाता है कि मस्क की कंपनी अब ऐसे व्यक्ति कि खोज में है जो 'सर्वाइकल स्पाइनल कोर्ड' की वजह से पैरालिसिस हो चुके हैं या फिर एमायोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस जैसी

बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। हालांकि अभी इसकी कोई जानकारी नहीं मिली है कि इस स्टडी में कुल कितने पेशेंट पर ट्रायल शुरू किया जाएगा. इस स्टडी को कंप्लीट करने में करीब 6 साल का समय लगेगा।

ऐसे होगी रिसर्च

इस स्टडी में एक रोबोट सर्जरी करके इंसानी दिमाग पर एक ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस (BCI) को इंप्लांट करेगा. इसकी मदद से वह चिप मूव और इंटेंशन को रिसीव करेगा, उसके बाद आगे कमांड देगा. इसके बाद उस चिपसेट के साथ कंपेटेबल डिवाइस उन कमांड को रिसीव करेंगे और आगे काम करेंगे। बताया जा रहा है कि प्रारंभिक चरण में कंपनी का लक्ष्य कंप्यूटर कर्सर और की बोर्ड को कंट्रोल करना है। यह कंट्रोल कमांड सीधे दिमाग में फिट की गई चिपसेट से मिलेगा। इसके बाद कर्सर मूव करना शुरू करेगा और कीबोर्ड से टाइपिंग होगी।

आईआईटी देश मे पहली बार कराएगा ड्रोन कोर्स

शिमला , एजेंसी।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन क्रांति लाने के लिए जल्द ही सौ पायलटों को आईआईटी मंडी हब ट्रेनिंग देगा। इसके लिए अक्तूबर में प्रशिक्षण का पहला बैच शुरू होगा। यह प्रशिक्षण प्रधानमंत्री युवा कौशल विकास योजना के तहत पूरी तरह से निशुल्क होगा। कृषि क्षेत्र में ड्रोन का कोर्स करवाने वाला आईआईटी मंडी देश का पहला सरकारी संस्थान बनेगा। इस कोर्स की अवधि मात्र तीन माह है। उम्मीदवार के पास भारतीय पासपोर्ट होना चाहिए। उनकी आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा दसवीं, 12वीं और आईटीआई पास युवा और कृषि क्षेत्र में दो साल का अनुभव रखने वाले आईआईटी मंडी हब की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

अब 3 हजार करोड़ की नई विधानसभा बनाएंगे योगी

लखनऊ , एजेंसी।

दिल्ली में नए संसद भवन की तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश में भी नई विधानसभा इमारत बनाई जाएगी। पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेई की जयंती 25 दिसंबर को नए विधानभवन की आधारशिला रखी जा सकती है। इसके निर्माण में करीब 3 हजार करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। नए भवन का निर्माण निरामन दारुलशफा और आसपास के क्षेत्र को मिलाकर होगा।

जानकारी के मुताबिक, 2027 से पहले इसका निर्माण कार्य भी पूरा करने की तैयारी है। मौजूदा विधानसभा की बिल्डिंग करीब 100 साल पुरानी है। ये लखनऊ के हजरतगंज में है। जब विधानसभा की कार्रवाई चलती है तो जगह कम होने के कारण आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना प?ता है। भविष्य में सदस्यों की संख्या और अन्य जरूरतों व परिसीमन को देखते हुए भी नए विधानसभा भवन की जरूरत महसूस की जा रही है। मौजूदा विधानभवन का उद्घाटन 1928 में हुआ था. वहीं, नए बनने जा रहे विधानभवन का उद्घाटन 2027 से पहले करने का लक्ष्य है। गौरतलब है कि नए विधानभवन का प्रस्ताव पहले ही पास हो चुका है।

आदिवसी पिटाई

कमलनाथ ने मांगा मुख्यमंत्री से इस्तीफा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अनूपपुर में आदिवासी की पिटाई के मामले में मप्र कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को घेरा है। उन्होंने ट्वीट किया, 'भाजपा आदिवासी अत्याचार पार्टी बनती जा रही है। यह वीभत्स वीडियो मुख्यमंत्री अनदेखा नहीं कर सकते। अनूपपुर जिले में एक आदिवासी व्यक्ति के शव के बगल में भाजपा नेता दूसरे आदिवासी व्यक्ति को चप्पल से पीट रहा है। आखिर आप चाहते क्या हैं? जब आप आदिवासियों पर अत्याचार रोक नहीं सकते तो कम से कम मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दीजिए। कमलनाथ ने लिखा - पांव धोने के पाखंड से आपकी क्रूर सत्ता का प्रायश्चित नहीं हो सकता।

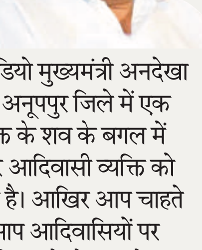

मेट्रो एंकर

कनाड़ा से बढ़ी भारत की तल्खी तो 40 साल पुराना वाकया हुआ ताजा

पिता की गलती दोहरा रहे ट्रूडो, आतंकी सौंपने से इंदिरा को मना किया था भुगता था नतीजा

नई दिल्ली , एजेंसी।

हाल में कनाड़ा के साथ भारत की तल्खी बढने पर दुनिया के कई ताकतवर देशों की नजर इस पर गई है और प्रतिक्रिर्या भी उभरी हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह हत्याकांड में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया है. लिहाजा दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। कहा जाने लगा है कि अब कनाडा नया पाकिस्तान बन रहा है। मगर खास यह है कि खालिस्तानी आतंकी को लेकर दोनों देश आमने-सामने पहली बार नहीं आये हैं। पहले भी कनाडा खालिस्तानियों का बचाव करता रहा है। इसलिये साल 1982 की घटना फिर उभर आई है,जब जस्टिन ट्रूडो के पिता और तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री पियरे ट्रूडो ने भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से किए गए खालिस्तानी आतंकवादी तलविंदर सिंह परमार के प्रत्यर्पण के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था और बाद में एक बड़े आतंकी हमले में एयर इंडिया का विमान उडा दिया गया था।

दरअसल तलविंदर सिंह परमार भारत में एक वांटेड आतंकवादी था। कनाडा के वरिष्ठ पत्रकार और खालिस्तानी आंदोलन पर रिपोर्टिंग करने वाले टेरी माइलवस्की ने किताब में लिखा है कि पिछले चालीस वर्षों में कनाडा में जिस तरह से खालिस्तानी फले-फूले हैं, उससे कनाडा की तुलना पाकिस्तान से नहीं की जा सकती है, लेकिन कनाडा ने खालिस्तान को कानूनी और राजनीतिक रूप से अनुकूल माहौल प्रदान किया है। माइलवस्की लिखते हैं, ÷भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को ठुकराने के बाद भी कनाडा को कुछ हासिल नहीं हुआ, उसने जिस आतंकवादी तलविंदर सिंह का प्रत्यर्पण से इनकार किया था, उसी ने 1985 में एयर इंडिया के कनिष्क विमान को टाइम बम से उड़ा दिया था। विस्फोट में विमान सभी 329 लोगों की मौत हो गई थी व हादसे में मरने वालों में सबसे ज्यादा 268 कनाडाई नागरिक ही थे। इस हादसे के लिए लोग पियरे ट्रूडो को भी दोषी ठहराने लगे। अब हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी पीएम मोदी ने जस्टिन ट्रूडो से कनाडा में लगातार बढ़ रही भारत विरोधी गतिविधियों से अवगत कराते हुए चिंता व्यक्त की थी। मगर ट्रूडो ने भारत की चिंताओं को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा था कि कनाडा शांतिपूर्ण विरोध का हमेशा पक्षधर रहेगा।

आगे से खेल रहा है कनाड़ा

हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में एक पैनल चर्चा में भाग लेते हुए, अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ फेलो माइकल रुबिन ने दावा किया कि ट्रूडो उन लोगों के हाथों में खेल रहे हैं जो खालिस्तानी आंदोलन को अहंकार और लाभ के रूप में देख रहे हैं, यह आग से खेलने जैसा है। रुबिन ने कहा, ट्रूडो की शर्मनाक और निंदनीय कार्रवाई के बारे में चौंकाने वाली बात यह है कि वह इसे लेकर तो बयान दे रहे हैं, लेकिन कथित तौर पर पाकिस्तानी सहायता से की गई करीमा बलूच की हत्या के मामले में चुप हैं।

ट्रैक पर आया मेट्रो प्रोजेक्ट, ट्रायल की तैयारी

मेट्रो को अगले हफ्ते दौड़ाने के लिए फर्राटा भर रहा अमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मेट्रो सड़के रास्ते पहुंची और अब अपने ट्रैक पर भी पहुंच गई है। विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले इसे दौडाने के लिये मेट्रो कार्पोरेशन का अमला दिनरात 'दौड़' रहा है। उम्मीद तो यह है कि सब कुछ सही रहा तो अगले हफ्ते इसका ट्रायल भी हो जाएगा।

बताया जाता है कि मेट्रो के तीनों कोच को जोड़ा गया है। अब इसकी असेंबलिंग के बाद चार्जिंग होगी। इसके बाद इसे वायडक्ट पर लाया जाएगा। जहां प्री-टेस्टिंग के लिए मेट्रो को वायडक्ट पर दौड़ाया जाएगा। इसके बाद सुरक्षा से संबंधित उपकरणों का परीक्षण करने के बाद ट्रायन रन होगा। सुभाष नगर डिपो में अनलोडिंग-बे पर ट्राले से उतरने के बाद मेट्रो के तीनों कोच इंस्पेक्शन-बे लाइन पर पहुंच चुके हैं। यहां कोच को कपलिंक कर मेट्रो कोच असेंबल किए जा चुके हैं। अब इक्युपमेंट (उपकरण) असेंबलिंग और चार्जिंग के बाद ट्रेन को डिपो में बने करीब दो किमी लंबे टेस्टिंग ट्रैक पर दौ?ाकर प्री-टेस्टिंग की जाएगी। ये टेस्ट पास करने के बाद मेट्रो को मेन ट्रैक पर सेफ्टी ट्रायल के लिए शिफ्ट किया जाएगा। ट्रायल में सफल होने के बाद मेट्रो का ट्रायल रन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मेट्रो का सपना सबसे पहले तत्कालीन मंत्री और बाद में मुख्यमंत्री बने बाबूलाल गौर ने देखा था और इस पर काम शुरू किया था,तभी से यह योजना चल रही थी लेकिन हाल के एक वर्ष में इसमें शिवराज सरकार ने तेजी दिखाई है तथा अब मेट्रो जल्दी ही शहर में एक रूट पर शुरू होने के आसार बनने लगे हैं।

समय कम और काम ज्याद।

इस वक्त मेट्रो ट्रेन की असेंबलिंग के साथ एसी, सीसीटीवी, हेड लाइट, एक्जिट और इमरजेंसी गेट समेत अन्य कार्य हो रहे हैं। इसमें हर एक उपकरण की वायरिंग और कनेक्टिविटी सहित साफ्टवेयर इंस्टालेशन में कम से कम 15 दिन का समय लगता है। लेकिन 25 सिंतबर के बाद होने वाले ट्रायल रन के मद्देनजर मेट्रो के पास इतना समय नहीं है। ऐसे में निर्धारित अवधि में मेट्रो का काम पूरा करने के लिए दो शिफ्ट में काम किया जाएगा, ताकि यह काम पांच से छह दिन में पूरा किया जा सके।

सफाई न होने पर जताई नाराजगी, दरोगा का किया तबादला

भोपाल। महापौर मालती राय ने आज जोन 20 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई भी की। इसके अलावा सफाई में लापरवाई मिलने पर वार्डो के दरोगाओं के तबादले करने के निर्देश दिए। वे प्रतिदिन विभिन्न जोनों का निरीक्षण करेंगी।

संबल घोटाले से बचने खुद की फाइल पलटा रहे वार्ड प्रभारी

घोटाले के कारण चार जोनल अधिकारियों को किया जा चुका है अटैच

कुछ कर्मचारियों को निलंबित भी किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निगम में हुई संबल घोटाले से बचने के जतन किए जा रहे है। इसके लिए संबंधित वार्ड प्रभारी स्वयं ही फाइल पलटा रहे हैं। जिसके तहत ये मृतकों के घरों तक पहुंचकर सत्यापन कर रहे हैं। उक्त मामले में अब तक निगम प्रशासन चार जोनल अधिकारियों को मुख्यालय अटैच कर चुका है। उनकी एक-एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोक चुका है। 3 वार्ड प्रभारी और एक मीटर रीडर को निलंबित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जांच आगे बढ़ती है तो इस घोटाले में और भी जोनल अधिकारी, वार्ड प्रभारी और अन्य निगम कर्मी सामने आ सकते हैं।

ऐसा हुआ था संबल घोटाला: संबल योजना में नगर निगम के जोनल अधिकारियों के फर्जी डिजिटल सिग्नेचर कर वार्ड प्रभारी और योजना प्रकोष्ठ के कर्मचारियों ने फाईलें मंजूर करते हुए मृतक के परिजनों के खातों में राशि डाल दी। जब निगम प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू की तो बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा सामने आया था।

इन पर की थी कार्यवाही

निगम प्रशासन ने संबल योजना मामले में वार्ड 12 के वार्ड प्रभारी मधुकर राव सहित जोन 19 वार्ड 85 के सहायक राजस्व निरीक्षक कपिल सोनी, जोन 16 वार्ड 72 के सहायक राजस्व निरीक्षक नितिन अरूणाकर और जोन 16 के मीटर रीडर अनिल साहू को निलंबित कर करते हुए 4 जोनल अधिकारियों को मुख्यालय अटैच करते हुए उनकी एक-एक वृद्धि रोक चुका है।

गणेशोत्सव में चंद्रयान, 1200 स्थानों पर विराजे विघ्नहर्ता

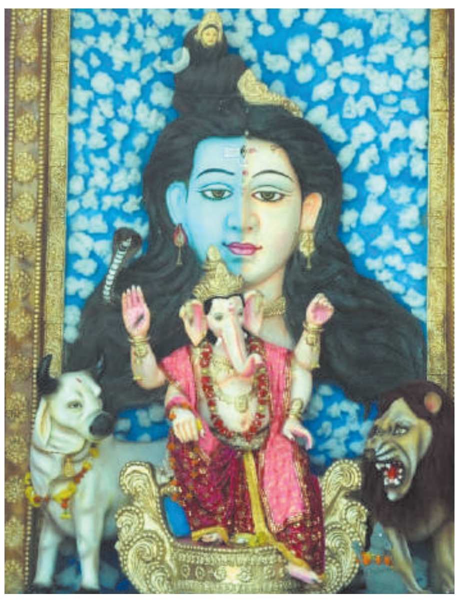

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में गणेश उत्सव के तहत लगभग 1200 सार्वजनिक स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गईं। देर रात तक यह सिलसिला चलता रहा। न्यू मार्केट, लखेरापुरा, कोलार, आनंद नगर समेत पूरे शहर में आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं। भाजपा कार्यालय में चंद्रयान-3 थीम पर गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की गई। यहां भाजपा नेताओं ने गणेशजी की पूजा-अर्चना की। वहीं कांग्रेस कार्यालय में भी गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। खास बात यह है कि इस बार भी मिट्टी के गणेश की प्रतिमाओं को अधिकांश जगह विराजित किया जा रहा। घरों में भी अधिकांश लोगों ने मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित की है। इस बार गणेश चतुर्थी तिथि दो दिन होने की वजह से शहर में झांकी-पंडालों में सोमवार को भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई। 21 साल बाद यह दूसरा अवसर है, जब तिथि को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण कहीं गणेश उत्सव 9 तो कहीं 10 दिन मनाया जाएगा।

भाजपा दफ्तर में चंद्रयान

भाजपा ऑफिस में चंद्रयान-3 थीम पर बनी गणेश जी की प्रतिमा विराजित की गई। आदर्श नवदुर्गा मंदिर प्लेटिनम प्लाजा परिसर में प्रतिमा बनाई गई है। मंदिर के व्यवस्थापक चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि यह प्रतिमा कोलकाता के कलाकारों ने तैयार की है। श्री गणेश कमल पुष्प पर विराजमान है। भगवान गणेश की लगभग 6 फीट की प्रतिमा है।

चौक बाजार से शुरू हुआ उत्सव

बताया जाता है कि राजधानी में आजादी के पहले 1945 में पहली बार चौक बाजार स्थित पीपल चौक में पहली बार सार्वजनिक रूप से भगवान श्री गणेश की मूर्ति स्थापित की गई थी। उसके बाद ही शहर में सार्वजनिक रूप से गणेशोत्सव मनाने की परंपरा शुरू हुई थी। मंगलवार को श्री डोल ग्यारस चल समारोह समिति के तत्वावधान में पीपल चौक में रिद्धि-सिद्धि के साथ भोपाल के राजा श्रीगणेश जी की स्थापना की गई। वहीं जनकपुरी जुमेराती, मंगलवारा चौराहा, आजाद मार्केट, गणेश चौक इतवारा, गणेश चौक छोला, भानपुर, न्यूमार्केट, मनीषा मार्केट शाहपुरा, 10 नंबर बाजार के साथ ही शहर के उपनगर भेल, कोलार, संत हिरदारराम नगर में भी अनेक स्थानों पर विघ्नहर्ता विराज गए हैं।

डेंगू के एक हफ्ते में 50 से ज्यादा मरीज मिले

भोपाल। भोपाल में डेंगू का संक्रमण बढ़ने लगा है। राजधानी में बीते एक हफ्ते में 50 से ज्यादा डेंगू संक्रमित मरीज मिले हैं। इसके चलते स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी के 9 इलाकों को डेंगू सेंसेटिव जोन घोषित किया है। इसकी पुष्टि जिला मलेरिया अधिकारी दफ्तर की रिपोर्ट में हुआ है। सेंसेटिव इलाकों में इस साल 67 डेंगू मरीज मिलने की जानकारी दी गई है। बीते एक हफ्ते से रोजाना औसतन 9 नए मरीज मिल रहे हैं।

कॉलेज प्रवेश: यूजी-पीजी के लिए आज जारी होगी मेरिट लिस्ट, 30 सितंबर तक प्रवेश

भोपाल। प्रदेश के 1373 कॉलेजों की 9.91 लाख सीटों पर प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया जारी है। 6वें राउंड के बाद भी खाली रह गई करीब 4.78 लाख सीटों को भरने के लिए विभाग द्वारा 7वां सीएलसी अतिरिक्त राउंड चलाया जा रहा है। इस राउंड में इस राउंड में यूजी-पीजी में करीब 20 हजार नए रजिस्ट्रेशन हुए हैं, इसमें यूजी के 14,900 और पीजी के 5100 रजिस्ट्रेशन शामिल हैं। इसी तरह यूजी-पीजी में 52 हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने चॉइस लॉक की है। इसमें यूजी के 34,934 और पीजी के 17,084 स्टूडेंट शामिल हैं। 20 सितंबर को कॉलेजों में मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। स्टूडेंट 20 से 26 सितंबर तक आवंटित कॉलेजों में ऑनलाइन फीस जमा कर एडमिशन ले सकेंगे। इसी अवधि में अपग्रेडेशन का ऑप्शन भी ले सकते हैं। 27 सितंबर को अपग्रेडेशन का आवंटन और 30 सितंबर तक इसके प्रवेश होंगे।

इको फ्रेंडली गणेशजी बनाकर छात्राओं ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में प्रतियोगिता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट के इको क्लब की छात्राओं के द्वारा प्रकृति का संरक्षण करने के लिए एवं पर्यावरण को बेहतर बनाये के लिए मिट्टी से गणेश जी बनाए गए। विदित है कि प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियां पर्यावरण के लिए अत्यधिक हानिकारक होती हैंए इसीलिए संस्थान की छात्राओं ने मिट्टी से गणेश जी की मूर्तियां बनाई एवं प्राकृतिक संसाधनों से उन्हें सजाया। पिछले कई वर्षो से संस्थान में संस्कृति एवं पर्यावरण दोनों का ध्यान रखते हुए छात्राएं ऐसे अभिनव प्रयास करती हैंए जिससे एक बेहतर समाज में उनका योगदान हो सके।

सबसे पहले संस्थान की एमबीए एवं एमबीए इंटीग्रेटेड की नवागत छात्राओं ने भगवान गणेश की मूर्तियों को अपने हाथों से विभिन्न रूप में आकार दिया, उसके पश्चात उन्होंने तरह तरह से श्रृंगारित किया। भगवान गणेश की विभिन्न मुद्राओं को मूर्तियों के द्वारा प्रदर्शित किया। निर्णायक मंडल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी एवं डायरेक्टर डॉ आशीष ठाकुर ने छात्राओं इको फ्रेंडली गणेशजी बनाने की सराहना की है।

तीन दर्जन स्थानों पर विराजे पार्वती नंदन

हिरदाराम नगर। संतनगर में गणेशोत्सव परंपरागत तरीके से श्रद्धा भक्ति के बीच शुरू हुआ। गणेशोत्सव समितियों के कार्यकर्ता गणपित बप्पा मोरिया के जयकारे लगाते हुए पार्वती नंदन की प्रतिमाएं लेकर पहुंचे। विधि विधान से प्रतिमाओं की स्थापना की गई। करीब तीन दर्जन स्थानों पर छोटी-बड़ी प्रतिमाएं भव्य पंडालों में स्थापित की गई हैं। दिन भर गणेशजी की प्रतिमाएं घर ले जाने बड़ी संख्या में श्रद्धालु दुकानों पर पहुंचे। मोदक की दुकानों और सजावट के सामन की दुकानों पर भी खासी रौनक रही।

मेट्रो एंकर

मंगलवार को संस्कार स्कूल में हनुमान चालीसा का पाठ

हनुमान चालीसा से संत हिरदाराम जी की भावनाएं जुड़ी है : पारदासानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रार्थना सभा में हनुमान चालीस का पाठ की परंपरा जारी है। इस मंगलवार को शिक्षक शिक्षिकाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर संत नरेश पारदासानी, संस्था के सचिव बसंत चेलानी सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव के सुरेश जसवानी ने भी हनुमान चालीसा का पाठ किया। चेलानी ने कहा कि आज संस्कार स्कूल में हनुमान चालीसा का पाठ होते हुये दो महीने हो गए हैं। यह पहला मंगलवार है जिसमें हमारे विद्यालय के बच्चे उपस्थित नहीं है लेकिन छुट्टी होते हुए भी संस्कार विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने इस परंपरा को पूरा किया। संत पारदासानी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आध्यात्मिक शिक्षा दी जा रही है, इसलिए मैं इस शाला को साधुवाद देता हूं हनुमान चालीसा से संत श्री हिरदाराम साहिब जी की भी भावनाएं जुड़ी हुई है। जसवानी ने कहा क रामचरितमानस का पाठ करने वाला फल हनुमान चालीसा करने से मिलता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्राचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्चा मृदुला गौतम समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

वैष्णवी ने पांचवें वर्ष भी बनाए इको फ्रेंडली गणेशा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली वैष्णवी साधवानी ने मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाई है। इंको फेंडली गणेशजी की पूजा के लिए बीते पांच साल से हर साल वह खुद के हाथों से बनी मिट्टी की मूर्ति की पूजा करती हैं। वैष्णवी का कहना है मैं न केवल मिट्टी के गणेशजी बनाती हूं, बल्कि विसर्जन भी एक गमले में करती हूं और मूर्ति से गमले की मिट्टी में पौधा लगार उसकी देखरेख करती हूं। मेरा मानना है हर साल एक नया सदस्य मेरे घर के आंगन में पौधे के रूप में जुड़ जाता है। तीनों साल से रोप रहे पौधे हमारे आंगन में आज भी मौजूद हैं। मिट्टी के गणेशजी घर बनाकर पूजा अर्चना करने की प्रेरणा मुझे मेरी मां रोमा और पिता कन्हैयालाल साधवानी मिल थी।

प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की आरएसके ने जारी की रैंकिंग

प्रदेश में सीहोर के छात्रावास अव्वल, नरसिंहपुर व आगर मालवा फिसड्डी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में कार्यक्षमता एवं प्रदर्शन के आधार पर राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की जारी रैंकिंग में सीहोर जिला 62.90 अंको प्राप्त कर प्रदेश में पहले स्थान आया है। वहीं नरसिंहपुर जिला 100 में मात्र 38.37 अंक प्राप्त कर फिसड्डी साबित हुआ हैं। आगर मामला, शाजापुर, मंदसौर में भी स्थिति खराब है। जिलों साथ ही प्रदेश भर के 596 छात्रावासों की छात्रावासवार भी रैंकिंग जारी की गई है। जिसमें सबसे बेहतर छात्रावास अलिराजपुर जिले के ग्राम जोहट का कस्तूनरबा गांधी बालिका विद्यालय का है।

सबसे बेहतर और सबसे खराब प्रदर्शन वाले 10-10 जिले

टॉप 10 जिलों में 62.90 अंकों के साथ सीहोर जिला सबसे पहले है। इसके बाद रायसेन, देवास, डिंडोरी , मंडला, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, बड़वानी, इंदौर और धार हैं। वहीं 10 जिले 50 प्रतिशत अंक भी हासिल नहीं कर पाए हैं। इसमें नरसिंहपुर, आगर मालवा, शाजापुर, मंदसौर, टीकमगढ़, श्योपुर, भिंड, उज्जैन, रीवा और नर्मदापुरम शामिल हैं।

100 अंक किए गए थे निर्धारित

राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की सत्र 2022-23 की रैंकिंग जारी की है। यह रैंकिंग स्वीकृत छात्रावासों की कार्यक्षमता, स्वीकृत सीटों के विरुद्ध नामांकन, छात्रावासी बच्चों के राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति में प्रदर्शन, छात्रावासी बच्चों के ओलंपियाड में प्रदर्शन और छात्रावासी बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम के आधार पर जारी की गई है। इसके लिए कुल 100 अंक निर्धारित किए गए थे। जिसमें स्वीकृत छात्रावासों की कार्यक्षमता के लिए 20 अंक, स्वीकृत सीटों के विरुद्ध नामांकन के लिए 20 अंक, छात्रावासी बच्चों के राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति में प्रदर्शन के लिए 20 अंक, छात्रावासी बच्चों के ओलंपियाड में प्रदर्शन के लिए 20 अंक एवं छात्रावासी बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम के लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। इस तरह कुल 100 अंकों में यह रैंकिंग तैयार की गई है।

आर्शीवाद यात्रा विदिशा पहुंची

जन आशीर्वाद यात्रा को मिल रहे समर्थन से घबराई है कांग्रेस: सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर-चंबल संभाग की जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान कहा कि भाजपा द्वारा मप्र में कराए गए गरीब कल्याण एवं जनहितैषी कार्यों के आधार पर पार्टी आपका आशीर्वाद लेने के लिए प्रदेश में जन आशीर्वाद यात्राएं निकाल रही हैं। यात्राओं को मिल रहे जन समर्थन से कांग्रेस घबराई हुई है। उनकी जन आक्रोश रैली की हवा निकल गई है और इससे कांग्रेसी बौखलाए हुए हैं और अधिकारियों को धमकी देने लगे हैं। सीएम ने कहा दिग्विजय सिंह ने एक ट्वीट कर वित्त विभाग के अधिकारियों को धमकी दी है। वे अधिकारियों से कह रहे हैं कि पैसे कहां से आ रहे हैं। जब कमलनाथ सीएम थे तो रोते ही रहते थे। मैं क्या करूं, मेरे पास पैसे ही नहीं हैं। लेकिन मामा छाती ठोककर कहता है कि मेरे पास पैसों की कमी नहीं है। जनता की सेवा के लिए ही यह सरकार है।

कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा प्रारंभ हुई

मप्र में भाजपा राज में चारों और अराजकता, अपराध- कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर कांग्रेस की प्रदेश भर में जन आक्रोश यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा को 7 मार्गों में विभाजित किया गया है। 'जन आक्रोश यात्रा' अपने निर्धारित मार्गों के अनुसार श्योपुर, जबेरा, चितरंगी, सिमरिया, हरदा, खरगोन, मंदसौर से प्रारंभ हुई।

मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने श्योपुर के गणेश मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना की एवं जन आक्रोश यात्रा का शुभारंभ किया। हरदा में जन आक्रोश यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व श्री सुरेश पचौरी जी व पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन जी ने ओम पटेल, आर के दोगने, रामू टेकाम, अवधेश सिसोदिया, अवनि बंसल सहित कांग्रेस नेताओ के साथ गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजन अर्चन किया किया।

नेट, सेट, पीएचडी डिग्रीधारियों ने लगाई प्रक्रिया में शामिल करने गुहार

कॉलेजों में अतिथि विद्वानों की नियुक्ति के लिए च्वाइस फिलिंग शुरू

25 सितंबर तक चलेगी प्रक्रिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के शासकीय कालेजों में प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर अतिथि विद्वानों को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए फिलहाल च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया चल रही है। इसी सिलसिले में नेट,सेट व पीएचडी योग्यताधारी अतिथि विद्वानों ने च्वाइस फिलिंग में शामिल करने की गुहार उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव से लगाई है। अतिथि विद्वानों ने मंत्री को अपनी वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने को लेकर ज्ञापन दिया है। इनका कहना है कि नेट, सेट, पीएचडी योग्यताधारी सभी पात्र उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर आवेदन करने का अधिकार है।

फालेन आउट अतिथि विद्वानों से मंगाए गए हैं आवेदन

दरअसल हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि फालेन आउट (नियमित शिक्षक के बदले हटाए गए अतिथि विद्वान) अतिथि विद्वानों को आमंत्रित किया जा रहा है, जो कि पहले से ही बाहर हैं। नेट, सेट व अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त डिग्रीधारियों का कहना है कि हम वर्षों से बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। हमारे साथ यह भेदभाव क्यों। उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि विभाग ने हाल ही में 18 सितंबर को एक नया आदेश जारी करते हुए फालेन आउट अतिथि विद्वानों को ही च्वाइस फिलिंग में भाग लेने छूट दी है, जोकि नियमों की अवहेलना है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी सत्यापित आवेदकों को च्वाइस फिलिंग में शामिल होने के लिए अवसर दिया जाना चाहिए।

यहां पर यह भी बता दें कि कालेजों में अतिथि विद्वानों की नियुक्ति के लिए च्वाइस फिलिंग 25 सितंबर तक होगी। इसके पश्चात अभ्यर्थियों को वरीयता के अनुसार कालेज का आवंटन 26 सितंबर को होगा।

चंदेरी महोत्सव 5 अक्टूबर से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड अशोकनगर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चंदेरी में 'चंदेरी महोत्सव' की शुरुआत करने जा रहा है। महोत्सव के पहले संस्करण का रंगारंग आगाज 5 अक्टूबर से होगा। लोक कलां एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वहीं, ख्यात कालाकार लाइव संगीत की प्रस्तुति देंगे। इस दौरान डीजे नाइट्स भी होंगी। इसके साथ ही रोमांचित करने वाली साहसिक गतिविधियां भी होंगी। पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच लग्जरी ग्लैम्पिंग का अनुभव मिलेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति, प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया, प्रदेश की समृद्ध कलां एवं संस्कृति को प्रचारित करने, रोजगार के अवसर सृजित करने स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चंदेरी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अशोकनगर जिला प्रशासन के सहयोग से हो रहे चंदेरी महोत्सव में क्षेत्र की समृद्ध विरासत और उत्कृष्ट हथकरघा परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री 23 सितम्बर को सूबे के पथ-विक्रेताओं से करेंगे चर्चा

सीएम ने की तैयारियों को लेकर समीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 23 सितंबर को भोपाल में प्रदेश के पथ-विक्रेताओं का महासम्मेलन होगा, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेता शामिल होंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सभी 413 नगरीय निकाय और समस्त ग्राम पंचायतें वर्चुअली जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री चौहान महासम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पथ-विक्रेता स्थानीय अर्थ-व्यवस्था के प्रभावी अंग हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। महासम्मेलन में पथ-विक्रेताओं से चर्चा होगी। चर्चा में वे अपने अनुभव तथा सफलता की कहानियाँ प्रदेश के अन्य पथ-विक्रेताओं से अवश्य साझा करें। बताया गया कि 23 सितम्बर को भोपाल के गोविंदपुरा स्थित दशहरा मैदान में पथ-विक्रेता महासम्मेलन होगा। मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री स्व-निधि और मुख्यमंत्री स्व-निधि के हितग्राहियों को हित लाभ वितरित किए जाएंगे। आयोजन स्थल पर पीएम स्व-निधि व सीएम स्व-निधि के स्टॉल भी लगेंगे। महासम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह शामिल होंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पथ-विक्रेता महासम्मेलन
महासम्मेलन से सभी नगरीय निकाय और पंचायतें वर्चुअली जुड़ेंगी

मुख्यमंत्री ने किया पौधरोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार के दिन पौधरोपण किया।

मेट्रो एंकर | महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान में सुविधा

अब डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तर पुस्तिकाओं की छायाप्रति पंद्रह दिन में होगी उपलब्ध

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान में अब डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तरपुस्तिकाओं की पुनर्गणना, उत्तरपुस्तिकाओं की छायाप्रति अब पंद्रह दिन में उपलब्ध हो सकेगी। डुप्लीकेट अंकसूची सहायक निदेशक स्तर पर वर्ष 2004 से वर्तमान तक प्रकरणों में पूर्ण आवेदन प्राप्त होंने पर पंद्रह दिन में मिल जाएगी। नहीं होंने पर निदेशक को अपील की जा सकेगी वे एक माह में इसका निराकरण करेंगे। बता दें कि लोक सेवा प्रबंधन विभाग ने महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के दायरे में शामिल किया गया है और इसके लिए समयसीमा तय कर दी है।

परीक्षा परिणाम की घोषणा की तिथि से पंद्रह दिन की अवधि में: उत्तरपुस्तिकाओं की पुनर्गणना सहायक निदेशक के स्तर पर परीक्षा परिणाम की घोषणा की तिथि से 15 दिन की अवधि में आनलाइन आवेदन पर कर दी जाएगी। उत्तरपुस्तिकाओं की छायाप्रति परिणाम की घोषणा के पंद्रह दिन में ऑनलाईन आवेदन पर उपलब्ध कराएंगे। मान्यता संबद्धता सहायक निर्देशक स्तर पर कक्षा एलकेजी से कक्षा उत्तरमध्यमा 12वी तक जिला शिक्षा अधिकारी की अनुशंसा पर 40 दिन में मिलेगी।

नाम, उपनाम में सुधार अनुमोदन क तीस दिन भीतर

जानकारी के अनुसार अंकसूची में संशोधन सहायक निदेशक स्तर पर नाम, उपनाम में सुधार अनुमोदन के बाद तीस दिन में हो जाएगा। अंकसूची का सत्यापन सहायक निदेशक द्वारा वर्ष 2004 से वर्तमान तक के प्रकरणों में पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्त होंने पर तीस दिन में हो जाएगा।

सुविचार

जितना अधिक आप उनमें अच्छाई देखेंगे, उतना ही आप अपने आप में अच्छा स्थापित करेंगे।
परमहंस योगानंद

बहुत कुछ तय करेगा विशेष सत्र

2024 की पृष्ठिभूमि में सार्थक हो सकता है आयोजन

शंकर अय्यर

वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाएगा। दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में देश की 1.431 अरब की आबादी में से अनुमानतः एक अरब लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार यानी मतदान का उपयोग करने के पात्र होंगे। हालांकि लोकतंत्र के इस उत्सव में अभी कुछ महीने की देरी है, लेकिन पहले से ही हैशटैग 2024 चुनाव लोगों का ध्यान खींच रहा है। सरकार द्वारा संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र बुलाने की घोषणा करने के बाद से ही अटकलों का दौर शुरू हो गया है। सरकार ने एक एजेंडा जारी किया है- 75 साल की संसदीय यात्रा और अन्य चीजों के अलावा नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए एक विधेयक पर चर्चा। लेकिन विपक्षी दल इस बात से आश्वस्त नहीं हैं और जानकारों को भी संदेह है कि विशेष सत्र में कुछ आश्चर्यजनक होने वाला है।

राष्ट्रीय राजनीति को जो चीज सर्वाधिक प्रभावित करने वाली है, उसका खुलासा तो खैर संसद के इस विशेष सत्र में ही होगा। जिन मुद्दों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें 'इंडिया' पर 'भारत' को प्राथमिकता देने, समान नागरिक संहिता विधेयक, एक राष्ट्र-एक चुनाव का प्रस्ताव, महिला आरक्षण विधेयक, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए कोटा और रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पेश करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। लेकिन कोई भी निश्चित रूप से कुछ नहीं जानता। मोदी सरकार का एक अनुमानित पहलू आश्चर्यचकित करने की इसकी क्षमता रही है।

अटकलों का बाजार गर्म है। एक सिद्धांत यह है कि एक साथ चुनाव कराने की तैयारी आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाताओं के संभावित गुस्से की आशंका को ध्यान में रखकर की जा रही है। लेकिन यह सिद्धांत कार्ल पॉपर के मिथ्याकरण सिद्धांत से पूरी तरह मेल नहीं खाता। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की थी। इसके बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राजस्थान की 25 में से 23, मध्य प्रदेश की 29 में से 28 और छत्तीसगढ़ की 11 में से नौ सीटें जीतीं!

विपक्षी दलों का मानना है कि पुलवामा आतंकी हमले ने 2019 के लोकसभा चुनाव में देश की प्रतिक्रिया की दिशा बदल दी। इसे जांचने के लिए 1965 और 1999 के जनादेश की समीक्षा करनी होगी। वर्ष 1965 के युद्ध में भारत ने निर्णायक रूप से जीत हासिल की, लेकिन 1967 में, लोकसभा में कांग्रेस की 75 से अधिक सीटें कम हो गईं और वह आठ राज्यों में हार गई थी। जैसा कि आप कह सकते हैं कि तात्कालिकता मायने रखती है। कारगिल युद्ध के बाद संसद में वाजपेयी सरकार की एक वोट से हार के बाद वर्ष 1999 में देश में चुनाव हुए। युद्ध में जीत के बावजूद भाजपा की सीटें 182 पर ही अटकी रहीं, जितनी उसने 1998 में जीती थीं। इसका एक कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा में आपसी फूट था, जहां उसकी सीटें 58 से घटकर 29 रह गईं। हालांकि कांग्रेस की सीटें भी 141 से घटकर 114 रह गईं।

जैसा कि इतिहास से पता चलता है, चुनावी नतीजे कई चीजों से तय होते हैं। लोकप्रिय सिद्धांतों की विश्वसनीयता को विरोधी तथ्यों द्वारा चुनौती दी जा सकती है। यह सच है कि अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मतदाताओं पर असर डालता है और उनकी वोटिंग को प्रभावित करता है। लेकिन याद रखना चाहिए कि 1988 में दहाई अंकों की विकास दर ने 1989 में कांग्रेस की मदद नहीं की थी, न ही अर्थव्यवस्था के उदारीकरण का 1996 के चुनाव में उसे कोई फायदा हुआ था। इसी तरह %इंडिया शाइनिंग% अभियान के बावजूद वर्ष 2004 में एनडीए हार गया था।

वर्ष 2024 के चुनाव में वाई फैक्टर युवाओं का वोट होगा। अनुमान है कि अगले वर्ष नौ करोड़ से अधिक नए मतदाता वोट डालने के योग्य होंगे। कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही युवाओं को लुभाने में लगी हैं, क्योंकि युवा मतदाताओं का महत्व है। वर्ष 2014 में भाजपा की जीत (जो कि 25 वर्षों में पहला बहुमत का जनादेश था) युवा आकांक्षाओं और नरेंद्र मोदी की गुजरात मॉडल की पेशकश से संचालित थी, तो 2019 का जनादेश एक निर्णायक सरकार की धारणा से प्रेरित था। यह सच है कि गर्व मायने रखता है-और जी-20 तथा चंद्रयान-3 की सफलताएं भावनाओं को प्रेरित करेंगी-इसमें कोई संदेह नहीं है।

रोजगार और अपने भविष्य को लेकर युवाओं में नाराजगी जनमत सर्वेक्षणों में लगातार उजागर होती रही है। कोटे से संबंधित आंदोलन सरकारी नौकरियों की खोज से प्रेरित है, और सरकार द्वारा आयोजित रोजगार मेलों द्वारा इसे रेखांकित किया गया है। वर्ष 2024 में पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को पिछली सरकारों के बारे में शायद ही पता होगा और उनके पास संदर्भ का अभाव होगा। वर्ष 2014 में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की उम्र अब लगभग 28 वर्ष होगी और वे अपने वोट का फैसला पूरी और पूरी न हुई उम्मीदों के आधार पर करेंगे। युवा अब अपनी परिस्थितियों को कैसे समझते हैं और उनके मतदान करने की संभावना किस प्रकार है, यह जनमत सर्वेक्षण का एक प्रमुख विषय है।

उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण ताकत महिला मतदाता होंगी। पिछले दो दशकों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत बढ़ा है। वर्ष 2019 के चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या 67.18 प्रतिशत थी, जो पुरुष मतदाताओं की संख्या (67.01 प्रतिशत) से अधिक थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि देश भर के विधानसभा चुनावों में महिलाएं निर्णायक के रूप में उभर रही हैं।

हैरानी नहीं है कि विभिन्न राज्य सरकारें महिलाओं को सीधे धन हस्तांतरित करने के लिए योजनाएं शुरू करने की होड़ में हैं- तमिलनाडु में कलैग्नार मगलिर उरीमाई थोगई थिट्टम, कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना और मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना इसके उदाहरण हैं। यह भी कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि विपक्ष इस बात से चिंतित है कि मोदी महिला आरक्षण विधेयक पारित कराकर मतदाताओं का मूड बदल सकते हैं।

ऐसे में इस उम्मीद का कारण है कि सांसद प्रतिस्पर्धी विचारों पर एक सम्मोहक बहस के साथ संसदीय लोकतंत्र के 75 साल पूरे करेंगे। अलबत्ता अगर यह आयोजन निरंतर बयानबाजी के समारोह में बदल जाए, तो भी हैरानी नहीं होगी। लेकिन एक बात जो निश्चित है, वह यह कि इस हफ्ते की घटनाएं वर्ष 2024 के चुनाव के लिए माहौल तैयार करेंगी।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

संपादकीय

सुनहरा दौर लौटने की आस

संसद के विशेष सत्र के शेष तीन दिन में क्या होने वाला है, यह अब साफ होने लगा है, महिला आरक्षण बिल इसमें खास हो सकता है, लेकिन बीते दो दिन क्या हुआ, यह भी हर मायने में बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के पहले दो दिन के संबोधनों में यह अपेक्षा भी झलकी कि, संसद की कार्रवाई बेहतर माहौल में हो और इसमें कटुता न उभरें। उन्होंने भी पहले प्रधानमंत्री पं जवाहरलाल नेहरू का कई बार जिक्र किया। इसे लेकर कांग्रेस को हमेशा शिकवा रहा है कि मोदी सरकार नेहरू के योगदान व भूमिका को कमतर करने की कोशिश करती रही है। बहरहाल पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने भी संसदीय यात्रा के 75 वर्ष के लंबे सफर की चर्चा करते हुए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर अपने विचार व्यक्त किए तो अब यह भाव संसद के नए भवन में भी दिखना चाहिए। संसद का नया भवन भव्य है और वह कहीं अधिक सुविधाओं से भी लैस है, वह पेपरलेस भी है। मगर गरिमा तब बढ़ेगी जब पक्ष-विपक्ष आम सहमति की राजनीति की महत्ता को समझेंगे। वैसे यह भी अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के अनेक सांसदों ने अंग्रेजी सत्ता की ओर से बनवाए गए संसद भवन से जुड़ी यादों का उल्लेख किया और इस दौरान उन उपलब्धियों को भी रेखांकित किया, जो बीते सात दशक से अधिक समय में देखने को मिलीं। दरअसल देश में बीते साढे सात दशकों में रहीं विभिन्न सरकारों की ओर से संसद में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के कारण ही आज देश इस पड़ाव पर है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना देखा जा रहा है, वह पूरा होता दिख रहा है। हर सरकार ने अपने तई बेहतर काम की कोशिश की है। एक समय था, जब संसद में आम सहमति कायम करते हुए फैसले लिए जाते थे और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर स्वस्थ एवं सार्थक विचार-विमर्श होता था। मगर सच्चाई यह है कि पिछले कुछ वर्षों से संसद में आम सहमति मुश्किल से ही कायम हो पाई है। वहां हंगामा और नारेबाजी और कटुता अधिक नजर आती है। ऐसा इसीलिए होता है, क्योंकि विरोध के लिए विरोध की राजनीति हावी है। मगर जब सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों एक-दूसरे को अपेक्षित महत्व देंगे तभी बात बनेगी। इसके लिये भी सत्तापक्ष को आगे आना जरूरी है। वह विपक्ष को विश्वास में लेकर आगे बढेगा और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे पर उससे संवाद रखेगा तो निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि संसद में बार बार बनने वाला गतिरोध व विवाद कम से कम हो सकेंगे। जब सभी यह मान रहे हैं कि अतीत में संसद में कहीं अधिक सार्थक चर्चा होती थी, तब फिर इसके लिए सभी को सक्रिय नहीं होना चाहि। ऐसा तभी हो सकता है, जब राजनीतिक कटुता और नकारात्मक राजनीति का परित्याग हो। हालांकि मौजूदा संसद के कार्यकाल में यह अपेक्षा बहुत दूर की कौड़ी भी हो सकती है क्योंकि छह महीने बाद लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं तथा दो महीने बाद पांच राज्यो में विधानसभा के चुनाव होंगे। इसीलिये उम्मीद ही की जा सकती है कि राजनीतिक दल संसद और साथ ही जनता के प्रति अपने दायित्वों को लेकर सजग एवं संवेदनशील बनें और नये भवन में वह पुरानी व उदार परंपरा को दोनों पक्ष कायम करने में तत्पर दिखें। संसद के सुनहरे दौर की कल्पना तभी साकार होगी।

निशाना

हटे क्यों कदम !

– कृष्णेन्द्र राय

जैसे को तैसा मिला ।
आंकना ना कम ।।
गतिविधियां आतंकी तो ।
हटे क्यों कदम ।।
मनमुटाव ठीक नहीं ।
दो जलना ये त्याग ।।
देर ना लगेगी वरना ।
फैलने को आग ।।
देख रही है दुनिया ।
आपका हर रोल ।।
इसलिए तो शायद ।
खुली आज पोल ।।
फ़र्ज़ था निभाना ।
हुए लेकिन फेल ।।
है फिर तो स्वाभाविक ।
कसनी तय नकेल ।।

आज का इतिहास

- 1066 नॉर्वे के राजा हैराल्ड तृतीय और उनके इंग्लैंड के टॉस्टिग गोडविंसन ने यॉर्क, इंग्लैंड के पास फुलफोर्ड की लड़ाई में उत्तरी अर्लस एडविन और मोरकर को लड़ा और हराया।
- 1260 बाल्ट्स के प्रूसिएन्ट्रिब द्वारा दो प्रमुख प्रशियाई विद्रोहियों में से दूसरा टेउटोनिक शूरवीरों के खिलाफ शुरू हुआ।
- 1697 राइन्सविक की संधि पर फ्रांस और ग्रैंडअलांस के बीच हस्ताक्षर किए गए थे, जो नौ साल के युद्ध को समाप्त कर रहे थे।
- 1797 बोस्टन में यूएस फ्रिगेट संविधान (ओल्ड इरोनसाइड्स) लॉन्च किया गया।
- 1803 आयरिश विद्रोही रॉबर्ट एम्मेट को निष्पादित किया गया।
- 1819 कार्ल्सबैड डिक्रस जर्मन परिसंघ भर में जारी किए गए।
- 1831 भाप से चलने वाली पहली बस बनाई गयी। 30 लोगों की क्षमता तथा अत्यंत धीमी गति से चलने वाली इस बस के अविष्कारक गोर्डन ब्रान्ज़ थे।
- 1839 नीदरलैंड के पहले रेल मार्ग एम्सटरडम से हार्लेम का उद्घाटन हुआ।
- 1848 विज्ञान की प्रगति के लिए अमेरिकन एसोसिएशन बनाया गया।
- 1867 ऑस्ट्रिया में हंग्री के विलय के पश्चात फ्रांसवा जोज़फ औपचारिक रुप से ऑस्ट्रिया हंग्री के सम्राट बने।
- 1881 चेस्टर ए आर्थर ने 21 वे राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की।
- 1884 सैन फ्रांसिस्को में 'इच्ल राइट्स पार्टी' का गठन किया गया।

जीवनशैली में बदलाव से ही रुकेगा क्षरण

ज्ञानेन्द्र रावत

ओजोन परत के कारण ही धरती पर जीवन संभव है। इसके महत्व को समझते हुए साल 1987 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मांट्रियल समझौते पर हस्ताक्षर की तारीख को चिन्हित करते हुए 16 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस घोषित किया था। जीवन के लिए महत्वपूर्ण वायुमंडल में ओजोन परत की खोज 1867 में जर्मन-स्विस वैज्ञानिक शानबीन ने की और उसके बाद इसकी पुष्टि एन्ड्रयूज ने की। बता दें कि यह एक हल्की नीली गैस है जिसमें तेज अप्रिय गंध होती है। यह परत सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 90 फीसदी मात्रा को अवशोषित कर लेती है जो पृथ्वी पर जीवन के लिए हानिकारक है।आज उसी ओजोन परत में हुए छेद में बढ़ोतरी होते जाने से आर्कटिक में गर्मी बढ़ने, बर्फ के पिघलने की दर में तेजी आने, त्वचा के कैंसर व मेलेनोमा के मामलों में बेतहाशा वृद्धि का खतरा मंडरा रहा है। इसके चलते मानव जीवन, जीव-जंतु, पेड़-पौधों और पारिस्थितिकी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। एक अध्ययन के मुताबिक, यूवीबी विकिरण में दस फीसदी की बढ़ोतरी पुरुषों में मेलेनोमा के मामलों में उन्नीस फीसदी और महिलाओं में सोलह फीसदी की बढ़ोतरी करती है। फसलों की वृद्धि भी प्रभावित हुई है। इसके दुष्प्रभाव से लोगों का स्वास्थ्य खराब होगा, चर्म रोग, कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ेंगी, आंखों पर दुष्प्रभाव होगा। यदि हम धरती के ओजोन परत रूपी इस सुरक्षा कवच को बचाने में नाकाम रहे तो यहां जीवन की कल्पना बेमानी होगी। क्योंकि पृथ्वी के वायुमंडल के स्ट्रैटोस्फेयर के नीचे के हिस्से में बड़ी मात्रा में ओजोन पायी जाती है, इसे ही ओजोन परत कहते हैं। इसके क्षरण का मूल कारण प्रदूषण है जिसमें मानवीय दखलंदाजी की प्रमुख भूमिका है। इसी कारण सूर्य की पराबैंगनी किरणें धरती पर सीधे-सीधे टकराती हैं जो तबाही का कारण बनती हैं। इस परत के क्षरण में वाहनों के धुएं, फ्रिज-एसी से निकलने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस की खास भूमिका है।

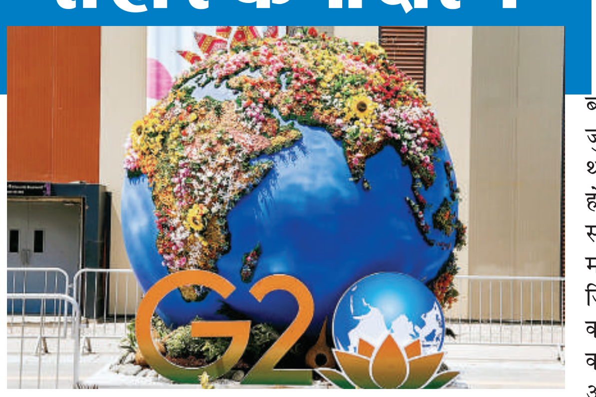

वैज्ञानिकों का मानना है कि धरती के चारों ओर ओजोन की परत जितनी मोटी होगी, सूर्य की पराबैंगनी किरणों से उतनी ही धरती बची रहेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार ओजोन के लिए खतरनाक गैसों के प्रयोग एवं रिसाव में 90 फीसदी की कटौती तथा वैकल्पिक गैस ईजाद करने से समस्या का समाधान नजर नहीं आता। इसके बावजूद उत्तरी ध्रुव में आर्कटिक पर ओजोन में करीब दस लाख वर्ग किलोमीटर का बड़ा छेद हो गया है। फिर भी यह अंटार्कटिका के छेद से बहुत छोटा है जो तीन-चार महीने में दो से ढाई करोड़ वर्ग किलोमीटर तक फैल जाता है। इसका अहम कारण मौसम में हो रहा बदलाव है। शोध-अध्ययन इसके सबूत हैं कि प्रदूषण में दिनब-दिन जो बढ़ोतरी हो रही है, उसपर अंकुश के दावे बेमानी हैं। जबकि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर ओजोन परत पर पड़ा है जिससे उसके लुप्त होने का खतरा मंडराने लगा है। दरअसल वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में लगभग 25 किलोमीटर की ऊंचाई पर फैली ओजोन परत सूर्य की किरणों के खतरनाक अल्ट्रावायलट हिस्से से पृथ्वी के जीवन की रक्षा करती है। यही जब धरती के वायुमंडल में आ जाती है तो हमारे लिए जहरीली गैस के रूप में काम करती है। यदि हवा में ओजोन का स्तर काफी अधिक हो जाये तो बेहोशी और दम घुटने की स्थिति आ सकती है। हवा में ओजोन का स्तर बड़ने से उसकी गुणवत्ता खराब होती है। प्रचंड गर्मी ओजोन के रूप में नई मुश्किलें पैदा कर रही है जो हवा में ओजोन के स्तर बढ़ने से पैदा हुई है। यह समस्या सांस से जुड़ी बीमारियां, उल्टी आने, चक्कर, थकान बढ़ने, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने और ब्लड प्रैशर की मुख्य वजह साबित हो रही है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो बढ़ती गर्मी के लिए भी प्रदूषण ही जिम्मेदार है। ऐसे में हमें प्रदूषण का स्तर कम करना होगा। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार जिस रफ्तार से ओजोन परत की क्षति हो रही है, उससे हरेक साल त्वचा कैंसर के तीन लाख अतिरिक्त रोगी पैदा होंगे, फसलों को नुकसान पहुंचेगा और समुद्री जीवन के आधार को भी क्षति पहुंचेगी। अकेले राजधानी दिल्ली को लें, यहां के वातावरण में ओजोन के प्रदूषक कणों की मात्रा डेढ़ गुणा तक बढ़ गयी है। यह सारा दोष अति उपभोगवादी संस्कृति का है जो प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन और बर्बादी की जन्मदात्री है। जरूरत है कि हम उपभोगवादी संस्कृति को त्यागकर पृथ्वी को शस्य, श्यामला और समस्त चराचर जीवों के लिए सुरक्षित बनाएं। इसके लिए हम अपनी जीवन शैली बदलें, भौतिक संसाधनों पर निर्भरता कम करें, अधिक से अधिक पेड़ लगायें, और उनकी रक्षा करें ताकि सूर्य की घातक पराबैंगनी किरणें सीधे धरती पर न आ सकें। तभी ओजोन परत के छेद में हो रही बढ़ोतरी को रोका जा सकता है। लेकिन यह काम जागरूकता के बिना असंभव है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

इंडिया से भारत जुड़ेगा या नहीं ये सबसे बड़ा सवाल

संदीप सोनवलकर

दो दिन के सम्मेलन में सबसे बड़ा सवाल भी यही रहा कि ये गठबंधन तो बन गया है लेकिन क्या ये गठबंधन यानि इंडिया जमीन पर भारत को अपने साथ जोड़ने में कामयाब होगा या नहीं. दो दिन के मंथन में ये बात जो जरुर दिखी कि अभी दल मिल गये और दिल मिलने का काम हो रहा है. अभी गठबंधन पर सहमति मिलती दिखायी दे रही है और अगर ये आगे सचमुच जमीन पर भी मिलने में कामयाब हो गये तो एनडीए यानि मोदी सरकार को बहुत बड़ी चुनौती मिल सकती है.

मुंबई सम्मेलन में हालांकि सारे बड़े दलों के नेता अपना अपना अस्तित्व और अहमियत दोनों ही दिखाने की कोशिश करते नजर आये और ये बात यहीं तक रहे तो ठीक है .ये इगो यानि अहं की लड़ाई न बने तो इसे नजरअंदाज किया जा सकता है. सम्मेलन में आये हुए दलों के नेता अपनी खबर बनाते दिखे .,ममता बनर्जी सीधे जाकर सदी के महानायक अभिताभ बच्चन से जा मिली तो अखिलेश यादव एयरपोर्ट से ही अपनी समाजवादी पार्टी का जलवा दिखाते रहे . लालू यादव सिद्धि विनायक मंदिर जाकर फोटो खिचाते रहे तो राहुल गांधी ने सम्मेलन से पहले ही प्रेस कांफ्रेंस कर अगले संसद सत्र के लिए अडानी का एजेंडा तय कर दिया . इस तरह की रणनीति ठीक नहीं . अलग अलग चलने से सम्मेलन का एजेंडा गड़बड़ हो सकता है. इस बीच एक बात पर सहमति दिखी कि समन्वय के लिए समितियां बना दी जायें जो हर राज्य में सीटवार बातचीत करेगीं , पहले राज्यस्तर पर बात होगी और उसके बाद समिती मिलकर तय करेगीं कि कौन सी सीट पर कौन लड़ेगा . लगभग 300 सीट पर बात बनती हुई दिख रही है जबकि 150 सीट पर स्ट्रेटेजिक और लोकल अलायंस होगा. कुछ सीटों खासकर नार्थ ईस्ट और बंगाल पर समझौता होने की कम उम्मीद दिख रही है .इस बीच सोनिया गांधी लगातार पर्दे के पीछे सारी पार्टियों के प्रमुख से बात कर रही है और ये तय किया गया है कि चुनाव तक कोई अध्यक्ष या संयोजक नहीं रहेगा ताकि मोदी बनाम चेहरे की लड़ाई से बचा जा सके. वैसे भी जन प्रतिनिधि कानून में बदलाव के लिए संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत ही नहीं कम से कम 12 विधानसभाओं में इसका प्रस्ताव पारित होना जरुरी है जो अभी संभव नहीं है. ये बस सच में खबर बदलने की कोशिश है जो कल सफल होती दिखी. इंडिया गठबंधन इससे कम ही विचलित दिखा लेकिन सारे दल चाहते है कि सीटों का बंटवारा जल्दी हो जाये ताकि वो काम कर सकें लेकिन कांग्रेस की कोशिश है कि कम से कम चार राज्यों के विधानसभा चुनाव तक इसे टाला जाये ताकि अगर इन राज्यों में उसका प्रदर्शन ठीक रहा तो उसकी हैसियत बढ़ जायेगी और वो ज्यादा से ज्यादा सीटें ले सकेगी. लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी को हराने के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन को 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) नाम दिया गया है. गठबंधन की पहली बैठक बिहार की राजधानी पटना में जून के महीने में हुई थी. गठबंधन की दूसरी बैठक जुलाई महीने में बेंगलुरू में हुई थी. इस बैठक में 26 दलों साथ आए थे और इस गठबंधन को इंडिया नाम दिया गया था. वहीं अब गठबंधन की तीसरी बैठक में 28 दलों के 63 नेता शामिल हुए हैं.

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

ना खेल मैदान ना कोई अन्य सुविधा फिर भी संचालित है स्कूल..

शिक्षा विभाग के संरक्षण में नर्मदापुरम में चल रहे हैं फर्जी तरीके से कई निजी स्कूल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर में कई स्कूल ऐसे जिनके पास ना तो खेल का मैदान है और नहीं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है फिर भी इनका संचालन धड़ल्ले से किया जा रहा है. ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि शिक्षा विभाग के अधिकारी इन फर्जी स्कूलों से साठ गांठ बनाए हुए हैं. बताया तो यहां तक जाता है कि शिक्षा विभाग के कुछ जिम्मेदार लोग इन स्कूलों से हफ्ता वसूली भी करते हैं. जब विभागीय अधिकारी ही इस तरह की कार्य प्रणाली को अंजाम देंगे तो फर्जीवाडे को तो महत्व मिलेगा ही।

शिक्षा विभाग की मिली भगत से फर्जी शपथ पत्र के सहारे चल रहे स्कूल

फर्जी शपथ पत्र देकर प्राप्त करते हैं मान्यता..

नगर के कुछ फर्जी शिक्षण संस्थाओं के यदि शपथ पत्र देखे जाएं तो स्पष्ट हो जाएगा कि इन्होंने फर्जी शपथ पत्र लेकर मान्यता प्राप्त की है। जिन स्कूलों के पास खेल के मैदान नहीं है उन्होंने खेल मैदान का जिक्र शपथ मान्यता में किया है. जो सुविधा स्कूल के पास है ही नहीं उन सुविधाओं का जिक्र मान्यता के लिए दिए गए शपथ पत्र में किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा कभी यह जाकर नहीं देखा जाता है कि जिस विद्यालय द्वारा जो शपथ पत्र दिया गया है क्या उस शपथ पत्र के अनुसार यह विद्यालय संचालित हो रहा है। यदि संचालित नहीं हो रहा है तो उसे पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। इसका सीधा सर जवाब यही हो सकता है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी इन फर्जी स्कूलों को संचालित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आवासीय क्षेत्र में सड़क के किनारे चल रहा है स्कूल

कोठी बाजार में नर्मदा वैली स्कूल आवासीय क्षेत्र में संचालित है और मुख्य सड़क के किनारे ही संचालित है. ना तो स्कूल के पास खेल मैदान है और नहीं अन्य आवश्यक सुविधाएं फिर भी शिक्षा विभाग ने क्या देख इस स्कूल को मान्यता दे दिया यह समझ से परे है।

बताया जाता है कि यह स्कूल एक राजनीति से जुड़े व्यक्ति का है स्कूल का संचालक भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं से संपर्क में होने के कारण शिक्षा विभाग के अधिकारी इस स्कूल की अनियमिताओं को अनदेखा करते चले आ रहे हैं। शिक्षा विभाग के जब एक अधिकारी से इस बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि ऐसे कई स्कूल है जो फर्जी वाडे तरीके से चल रहे हैं। इन स्कूलों के संचालकों के संबंध नेताओं से होने के कारण इनका फर्जी वाडा जारी रहता है। कोई अधिकारी स्कूल की जांच पड़ताल करने चला भी जाए तो तत्काल स्कूल के संचालक का फोन नेता के पास पहुंच जाता है और नेता उस अधिकारी से कहता है कि छोड़ो इस मामले को कोई दूसरा काम देखो.

नगर में ऐसा एक स्कूल नहीं कई स्कूल है। रसूलिया क्षेत्र में पेपर मिल गेट नंबर 4 के सामने स्थित अनन्या में ज्योति स्कूल की छत पर खेल ग्राउंड बनाया हुआ है. स्कूल के प्रथम तल पर मार्केट की दुकानें संचालित है। स्कूल के द्वितीय तल पर स्कूल संचालित है। स्कूल के छत पर बच्चे खेलते हैं। नेशनल हाईवे 69 के किनारे बसे इस स्कूल के सामने दिनभर वाहनों का आना-जाना लगा रहता है. बच्चों के साथ दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है. गत वर्ष स्कूल की शिकायत भी की गई थी लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारी द्वारा मामले को रफा -दफा कर दिया गया। इस स्कूल का संचालक भी एक नेता से जुड़ा हुआ है. जब कोई इस स्कूल की शिकायत करता है तो वह इस दल बदलू नेता की शरण में चला जाता है. और नेता फिर अधिकारियों को समझो बुझाकर स्कूल संचालक को फर्जीवाड़ा करने के लिए खुली छूट दे देता है.

इसी तरह पोस्ट ऑफिस घाट के पास स्थित निजी एक्सीलेंट स्कूल तो एक मामूली सी बिल्डिंग में चल रहा है। इस स्कूल के पास ना तो खेल मैदान है और ना ही चला फिरी के लिए कोई स्थान है। आखिर ऐसे स्कूलों को मान्यता कैसे दे दी जाती है.

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत निकाली गई अमृत कलश यात्राएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर परिषद बनखेड़ी में रविवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत अमृत कलश यात्रा निकाली गई। नगर के वार्ड 01 एवं 02 में घर-घर जाकर मिट्टी और चावल को वार्ड पार्षद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, लाडली बहना सेना एवं वार्ड वासियों के सहयोग से कलश यात्रा निकाल कर अमृत कलश में एकत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मिट्टी एंथम गीत चलाया गया तथा नागरिकों को पंच प्राण शपथ भी दिलाई गई।

जिला स्तरीय बधिरता सप्ताह 25 सितम्बर तक चलेगा

हरदा , दोपहर मेट्रो

जिला स्तर पर ''बधिर व्यक्तियो का अंतर्राष्टीय सप्ताह के तहत 19 से 25 सितम्बर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। मरीजों की सुनने संबंधी समस्याओं की पहचान की जाकर बधिरता को प्रारंभिक उपचार, हियरिंग ऐड, स्पीच थिरेपी एवं ऑपरेशन के माध्यम से रोका जा सकता है। साथ ही इससे होने वाली विकलांगता को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि इस संबंध में जिला स्तर पर जिला चिकित्सालय हरदा में नाक, कान, गला विशेषज्ञों, राष्टीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तर पर कार्यरत स्टॉफ एवं चयनित गैर सरकारी संगठनों के समन्वय से स्कूल एवं समुदाय में विशेष श्रवण स्क्रीनिंग अथवा पहचान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कान की देखभाल एवं सुनने से संबंधित बीमारी के बारे में जन जागरूकता के लिये विशेष अभियान चलाया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. र्श सिविल सर्जन डॉ. शर्मा ने आम नागरिको से अपील है कि बहरापन, मुख बधिर, नाक कान गला से संबंधित किसी को भी कोई परेशानी हो तो वे 25 सितम्बर तक जिला स्तर पर आयोजित इस विशेष श्रवण स्क्रीनिंग एवं पहचान शिविर में उपस्थित होकर जाँच कराकर उपचार का लाभ प्राप्त करें।

फसल क्षतिपूर्ति हेतु वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय में आवेदन करें

हरदा , दोपहर मेट्रो

कृषि मंत्री कमल पटेल द्वारा जारी निर्देशानुसार कृषि विभाग के दल द्वारा फसलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विगत दिनों हुई वर्षा से खरीफ फसलें आंशिक रूप से प्रभावित पाई गई है। निरीक्षण के दौरान कहीं कहीं फसलों में वर्षा एवं पवन प्रवाह के वेग से फसले झुक गई है। उपसंचालक कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग हरदा श्री एम.पी.एस. चन्द्रावत ने इन फसलों की क्षति पूर्ति हेतु, बीमा दावा राशि के व्यक्तिगत क्लेम के लिए किसान भाइयों से अनुरोध किया है कि, वे बीमा कंपनी के नाम विकासखंड स्थित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में आवेदन जमा करें। उन्होने बताया कि प्रत्येक विकासखंड में फसल बीमा कंपनी द्वारा एक अधिकारी नियुक्त किया गया है। आवेदन अनुसार फसल बीमा कंपनी का प्रतिनिधि द्वारा आपकी फसल नूकसानी का सर्वे किया जाएगा तथा सर्वे प्रतिवेदन बीमा कंपनी को भेजा जाएगा। उपसंचालक श्री चन्द्रावत ने बताया कि जिला स्तर पर फसल बीमा कंपनी का जिला प्रतिनिधि नियुक्त है, किसान भाई जिला स्तर पर भी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होने बताया कि खरीफ वर्ष 2023 के लिये जिले में फसल बीमा हेतु एस.बी.आई. जनरल इश्योरेंस कंपनी को अधिकृत किया गया है। इस कंपनी के जिला प्रतिनिधि श्री लोकश कुमार सैनी से मोबाइल नम्बर 8657957679 पर संपर्क किया जा सकता हैं। इसी प्रकार तहसील हरदा के बीमा कंपनी प्रतिनिधि श्री दीपक सेखावत मोबाइल नम्बर 9755930793, हंडिया के प्रतिनिधि श्री अंकित यादव मोबाइल नम्बर 9303609570, टिमरनी के प्रतिनिधि श्री राजेश सौलंकी 9009460936, रहटगांव के प्रतिनिधि श्री दुर्गेश डोंगरे मोबाइल नम्बर 7909796634, खिरकिया के प्रतिनिधि श्री भरत राजपूत 9753507576 एवं सिराली के प्रतिनिधि श्री धनसिंह नागराज मोबाइल नम्बर 9171447188 हैं। इसके अलावा किसान बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 18002091111 पर भी अपनी सूचना दे सकते है।

फोर्टिफाइड चावल के संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला

हरदा फोर्टिफाइड चावल के लाभों के प्रचार-प्रसार के लिये सामग्री के उपयोग के संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला 20 सितम्बर को आयोजित होगी। अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने बताया कि यह कार्यशाला जिला पंचायत के सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे से आयोजित होगी। कार्यशाला में फोर्टिफाइड चावल संबंधी मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण परियोजना के बारे में बताया जाएगा।

वृक्ष काटने के आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

उप वनमंडलाधिकारी सामान्य नर्मदापुरम मानसिंह मरावी एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी सुखतवा सामान्य नीरज शर्मा के निर्देशन में परिक्षेत्र सहायक जालीखेडा परिसर रक्षक गोमती एवं अन्य स्टाफ द्वारा परिसर गोमती के कक्ष क्रमांक आर. एफ 47 में एन0एच0 46 के समीप हरे भरे 02 सागौन के वृक्ष काटने के आरोपी सुनील मवासे निवासी जालीखेडा और हरपाल सिंह निवासी धासई ब्लॉक केसला को घेराबंदी कर पकड़ा गया। साथ ही 02 ठूंठ एवं मौके पर पड़ी काष्ठ 08 नग 0.348 घ.मी जिसकी कुल कीमत लगभग 50 हजार रुपए है एवं एक कुल्हाडी जप्त की गई। जिसका वन अपराध प्रकरण जारी कर माननीय न्यायलय के समक्ष दोनों आरोपी को प्रस्तुत किया गया है।

एसडीएम के निर्देश पर कीटनाशक दुकान से दो सैंपल लिए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी के निर्देश पर कृषि विस्तार अधिकारी वीरेंद्र मालवीय ने नगर में संचारित हो रही कीटनाशक दुकानों से सैंपल करने के लिए पहुंचे एक कीटनाशक दुकान से दो सैंपल जांच हेतु लिए गए हैं ।इन सैंपलों को लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी वैसे नगर में कई कीटनाशक विक्रेताओं के द्वारा किसानों को नकली दवाई है ठिकाना लगाने का काम किया जा रहा है। इसका छिड़काव करने के बाद फसले प्रभावित हो रही है कई बार कचरा मार दवा डालने के बाद भी उनका असर नहीं होता है। साथ ही ईल्ली भी दवा डालने के बाद नहीं मरी है फिर से किसानों को महंगे दामों पर कीटनाशक दवा लेनी होती है जो सैंपल अभी कराया जा रहा है। यह सैंपल पिछले महीने कराए होते तो किसानों को इसका फायदा भी हो सकता था अधिकांश कीटनाशक विक्रेताओं के द्वारा किसानों को पक्के बिल भी नहीं दिया जिसकी वजह से नकली दवा का कारोबार करने वालों पर कार्रवाई भी नहीं हो पाती है।

मेट्रो एंकर प्रमुख सचिव से लेकर आर टी ओ तक शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

परिवहन विभाग के संरक्षण में यात्रियों से वसूला जा रहा है अधिक किराया...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गरीबों की सरकार का नारा लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जिस तरह गरीबों का शोषण किया जा रहा है वह सरकार की कथनी और करनी का भेद खोल रही है।

इसका सबसे बड़ा जीता जागता उदाहरण प्रदेश भर में यात्री बसों द्वारा निर्धारित से अधिक किराया वसूला जा रहा है। हैरत तो इस बात की है कि प्रमुख सचिव परिवहन एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद भी विभाग द्वारा अधिक किराया वसूलने वाली यात्री बसों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

क्या यात्री बसों के संचालकों से परिवहन विभाग की सांठगांठ है? या इन बसों पर कार्रवाई न किए जाने को लेकर विभाग पर शासन का दबाव है? जो भी हो कुल मिलाकर गरीब जातियों का बस संचालकों द्वारा शोषण किया जा रहा है और सरकारी तंत्र इस शोषण का बड़े उत्साह के साथ समर्थन करते हुए इस जबरिया की जा रही लूट का समर्थन कर रहे हैं। अधिक किराया वसूलने वाली किसी यात्री बस की नामजद शिकायत होने के बावजूद भी परिवहन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर कई प्रकार के सवाल खड़े हो रहे हैं।

परिवहन विभाग की सांठ गांठ को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय भेजी शिकायत.

सरकार गरीबों की सुनने को तैयार नहीं... मुख्यमंत्री को अवगत कराया..

यात्री बसों में निर्धारित से अधिक किराया वसूली के मामले में की गई शिकायत को लेकर आज दिनांक तक कार्रवाई ना होना अफसोस की बात है। एक ओर तो सरकार गरीबों के लिए कई योजनाएं शुरू कर रही है वहीं दूसरी ओर इस तरह गरीब लोगों को लूटा जा रहा है। परिवहन विभाग के संरक्षण में यात्रियों बसों द्वारा इस प्रकार गरीबों के साथ किए जा रहे लूट पाट को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय में आवेदक द्वारा शिकायत भेजी गई है। देखना है मुख्यमंत्री इस मामले को लेकर क्या कार्रवाई करते हैं।

बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर, दिखाते हैं सपने नहीं करते है पूरे

अवैध कॉलोनियों का नगर में फैल रहा है मकडजाल

सिरोंज, सईद खांन, दोपहर मेट्रो

कभी हरी भरी घाटियों की नगरी कही जानी वाली सिरोंज अवैध कलोनियों मकडजाल की तरह फैल रही है। न जीएसटी पंजीयन न रेरा पंजीयन न आवष्यक 14 विभागों की एनओसी जमीन का एग्रीमेंट पर लिखाओं चूना डालकर प्लाट बचने लगों यह कार्य इन दिनों नगर सिरोंज में चल रहा है । नगर में कृषि भूमियों पर अवैध कालोनी काटने का धंधा इन दिनों धडल्ले से चल रहा है बेखौफ होकर प्लाट काट रहा है। कालोनाइजर सरकारी जमीन पर अवैध कालोनी का रास्ता बना रहे है। नगरीय क्षेत्र में अनेको कालोनिया कट रही है लेकिन जिम्मेदारों को कुछ दिखाई नही देता। कृषि भूमि को कालोनी बताकर उसमे प्लाट काटने का खेल इन दिनों नगर में बिना किसी रोक-टोक के चल रहा है। राजनेताओं अन्य सरकारी कार्यालयों में बैठे सरकारी कर्मचारी और बिल्डरों के आपसी गठजोड के चलते लोग धडल्ले से प्लाट बेच रहे है। कालोनी काटने का यह कारोबार नगर के हर इलाके में चल रहा है। इसमे नहर के पास कुरवाई रोड आरोन रोड बासौदा रोड तहसील रोड भोपाल रोड इमलानी रोड और रिंग रोड आदि जगह कालोनी कट रही है कालोनाइजर नगर मे किसी जगह को नही छोड रहे है। नगर में कई जगह बडे बडे हार्डिंग लगाकर कालोनियों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिसमे कई वादे किये जा रहे है सडके पानी की व्यवस्था खेल मैदान आदि षामिल है अगर कोई प्लाट लेकर उस कालोनी में बनाता है तों फिर मूलभूत सुविधाओं को तरसते है क्योकि जो सुविधाओं का वादा कालोनाइजर द्वारा किया जाता है उसको पूरा नही किया जाता है।

जाँच दल बनाने के बाद भी अभी तक कार्रवाही क्यूँ नहीं बदहाली का जीवन जीने को मजबूर है

खुलेआम पंपलेट बांटकर उन कालोनी से जुडी जानकारी प्रदान कर रहे है

कालोनाइजर द्वारा नगर में खुलेआम पंपलेट बांटकर उन कालोनी से जुडी जानकारी प्रदान कर रहे है जिसमे टीएनसीपी के साथ अन्य परमिषन का हवाला भी देते है जबकि वे वर्तमान मे नगर के आसपास के हिस्से में स्थित कालोनी मे रहने वाले लोग बदहाली का जीवन जीना पड रहा है कई कालोनियों मे खाली प्लाटो में बदबूदार पानी भरा हुआ है मच्छर पनप रहे है गंदगी का अंबार लगा हुआ है मगर कालोनाइजर इस और ध्यान नही देते क्योकि उन्होने तों प्लाट बेच दिया है अब नई कालोनी की बारी है ।

जाँच दल बनाने के बाद भी अभी तक कार्रवाही क्यूँ नहीं – अवैध कॉलोनाइजरों की हेतु जाँच दल बनाया गया था आज दिनांक तक अवैध पर क्या कार्रवाही हुई इसका कोई अता पता नहीं है क्या सभी कालोनियां वैध है या जाँच को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

वैध कॉलोनाइजर के लिए नियमों का पालन जरूरी – कॉलोनी काटने वाले वैध कॉलोनाइजर के लिए षासन द्वारा निष्चित मापदंड निष्चित किए गये है । उन मापदंडो को पूरा करने पर ही कॉलोनाइजर एवं कॉलोनी का एप्रूवल होता है । इसके लिए कॉलोनाइजर को जीएसटी एवं रेरा में पंजीयन के लिए साथ साथ नगरीय प्रषासन विभाग 13 अन्य विभागों की एनओसी जरूरी होती है । इसके अलावा कॉलोनी के कुल भूखंड का संबंधित निकाय मे बंधक रखना पडता है । 14 विभागों की एनओसी लेने के लिए शासन द्वारा तय की गई फीस कॉलोनाइजर को जमा करनी होती है उसके बाद ही कॉलोनाइजर बनते है ।

अवैध कालोनियों में प्लाट लेने पर मकान का नक्षा नही होता स्वीकृत – नगर में अवैध कालोनियों मे नगर पालिका के अंतर्गत आनी वाली कालोनियों मे लोगो को गुमराह कर प्लाट बेचे जा रहे है प्लाट लेने के बाद लोगो को यह पता चलता है कि अवैध कालोनी के चलते उनका मकान का नक्षा स्वीकृत नही हो रहा है ।

हो रही राजस्व की हानि

प्लाट बेचने के नाम पर दिखाते है पहले चमक धमक – देखा जाए कि जब कालोनी मे प्लाट बेचने का कार्य किया जाता है तों उस समय कालोनाइजर द्वारा अवैध कालोनी में खूब चमक धमक रंग रोबन एवं खूबसूरत पेंटिंगे दिवारो पर लगाकर दिखाते है एवं स्ट्रीट लाईट सैफगार्ड खूबसूरत पौधारोपण करते है एवं पानी के फुब्बारे एव बच्चों के लिए वॉटर पार्क एवं सीसीटीवी कैमरे दिखाई पडते है लेकिन जब कालोनी के कुछ प्लाट बेचने के बाद यह जब झाकी का ताम झाम दूसरी जगह कालोनी काटने के लिए शिफ्ट कर दिया जाता है । लाखों रूपयों की हो रही है राजस्व की हानि – जब अवैध कालोनाइजर किसी भूमि पर प्लाट काटने का कार्य करते है तों उसमे लाखो रूपयों से अधिक कोपरा मूरम खरीदकर उस जगह का समतालीकरण करते है जिस अवैध उत्खन्नकर्ता से यह कोपरा मूरम खरीदी जाती है बिना रायल्टी के कोपरा खरीदते है जिससे खनिज विभाग को लाखों रूपये का चूना लगा रहे है वही अवैध उत्खन्नकर्ता षासकीय भूमियों मे से रात के अंधेरे मे एवं दिन दहाडे कोपरा मूरम निकालकर नगर की कालोनियों मे भेजते है । जब कालोनी काटी जाती है तों उसमे एक नियम ईडब्लूएस का है जिसमे कालोनाइजर कों कुछ प्लाट छोडने पडते है उन प्लाटो को छोडने का सीधा मकसद है कि अगर कालोनाइजर कालोनी में जों वादे करते है अगर उन वादो को पूरा नही करते तों स्थानीय प्रषासन जों प्लाट ईडब्लूएस के नाम से छोडे जाते है उन प्लाटों को बेचकर विकास कार्यो कराया जा सकता है ।

इनका कहना है

स्थानीय नपा प्रशासन द्वारा कोई रिपोर्ट जमा नही की गई है जैसे ही रिपोर्ट आएगी हम कार्यावाही करेगे ।
हर्षल चौधरी,एसडीएम सिरोंज

हिनोतिया में हत्या का सनसनीखेज मामला

पुलिस जुटी जांच में, संदेही से भी पूछताछ होगी, जमीन का है विवाद भाई पर आशंका

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को दीपनाखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम हिनोतिया में हत्या का मामला सामने आया है। घटना

घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी ने पुलिस टीम को मामले की जांच करने के लिए गांव भेजा हत्या का गंभीर अपराध होने के कारण विदिशा से डॉग स्क्वाड़, एस एफकी टीम को ही बुलाया साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी देकर घटनाक्रम से अवगत कराया है। पूरा विवाद जमीन को लेकर मामला बताया जा रहा है। राजवीर सिंह उम्र 45 वर्ष की गांव के ही सोयाबीन के खेत में गंभीर चोटों तथा गले में रस्सी मिली है। हत्या की जानकारी लगते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया हत्या का मामला होने के कारण पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए अपनी जांच प्रारंभ कर दी है। पंचनामा बनाकर सब को पीएम के लिए राजीव गांधी चिकित्सालय गया जहां पर पीएम के बाद लाश परिजनों को सौंदी दूसरी ओर मृतक की पत्नी और साले ने मृतक के सगे भाई और उसके परिजनों पर ही हत्या करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक की पत्नी ने बताया कि कुछ दिन पहले ही हमने एसडीओपी को भी आवेदन देकर इनके भाई और परिजनों के द्वारा हमें परेशान करने जमीन मकान छीने मरपीट,जन से मरने की धमकी की शिकायत पुलिस की थी पर कोई कार्रवाई नहीं की इसकी वजह से आज यहां दिन हमें देखना पड़ रहा है समय रहते पुलिस के द्वारा मामले में कार्रवाई की गई होती तो आज मेरे पति की हत्या नहीं होती जिंदे होते। जानकारी के अनुसार रेंज की जमीन को लेकर दोनों भाइयों में विवाद चल रहा है कुछ दिन पहले ही मृतक पर उसके भाई ने प्रकरण भी दर्ज करवाया था।

इनका कहना है

जमीन को लेकर विवाद चल रहा था मृतक के सिर, गले में रस्सी बंधी हुई थी चोटों के निशान है। मार्ग कायम करके मामले को जांच में लिया है मृतक की पत्नी ने भाई और परिजनों पर संदेहास्पद जताया है हम उनसे भी पूछताछ करेंगे पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।
अनुज प्रताप सिंह,थाना प्रभारी दीपनाखेड़ा

सिरोंज जिला बनाओ रेलवे लाईन लाओ अभियान समिति ने की प्रेसवार्ता

करो या मरो के सिद्धांत पर आंदोलन को जारी रखने की बात कही, चुनाव आते ही सबको याद आती है जिला बनाने की

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

5 साल से सिरोंज को जिला बनाने का रेलवे लाइन लाने के मुद्दे को गंभीरता से नहीं उठाया जाता है जैसे ही विधानसभा चुनाव अब नजदीक आ गए हैं तो श्रवण को जिला बनाने की मांग की जा रही है यदि सभी लोग मिलकर गंभीरता से मामले को उठाएंगे तो जिला बनाने का सपना भी सरकार हो जाएगा अभी अलग-अलग संगठन और घुटनों के माध्यम से इस अभियान को चलाया जा रहा है इसकी वजह से बरसों पुराना सपना साकार नहीं हो पा रहा है। मंगलवार जन चेतना मंच, ने प्रेसवार्ता करके अपने द्वारा विगत कई वर्षों से सिरोंज को जिला बना हुआ रेलवे लाइन के लिए किया जा रहा है कामों को बनाते हुए कहा कि जिला बनाने के लिए करो या मरो के रास्ते पर चलकर आंदोलन करना पड़ेगा तभी जिला बनाने का सपना साकार होगा इस काम में सभी को मिलकर सहयोग करना होगा । समिति के संयोजक बृज नारायण शर्मा ने कांग्रेस ओर बीजेपी दोनो ही पार्टियों पर सिरोंज को जिला ना बनाए जाने पर जमकर कोसा। शर्मा ने कहा कि सत्ता में आने पर उन्ही मुख्यमंत्रियों ने धोका दिया जो विपक्ष में सिरोंज को जिला बनाने का समर्थन करते थे। बृज नारायण शर्मा ने अपने संघर्षों को याद करते हुए बताया कि साइकिल से भोपाल तक की यात्रा सिरोंज को जिला बनाने के लिए की । 11 दिन का आमरण अनशन भी किया है। सिरोंज को जिला बनाने के लिए तत्कालीन राज्यपाल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को भी ज्ञापन दिया।

मेट्रो एंकर | किसानों से लेकर आम जनता के नहीं हो पा रहे काम

20 दिनों से चल रही है पटवारी हड़ताल आखिर सरकार क्यों नहीं दे रही ध्यान!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विगत 20 दिनों से पटवारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रहे हैं। उनकी हड़ताल को खत्म करवाने के लिए ठोस प्रयास समय रहते नहीं उठाया जा रहे हैं। आम से लेकर खास के काम भी प्रभावित हो रहे हैं सबसे ज्यादा समस्या गरीब वर्ग के लोगों को हो रही है । शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं से भी वांचछित रहना पड़ा है। निरंतर हड़ताल पर पटवारी के होने के कारण राजस्व विभाग से संचालित होने वाले सारे काम प्रभावित हो रहे हैं। इस समय फसल कटाई प्रयोग भी प्राथमिकता से होना है वह काम भी नहीं हो पा रहा है। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ भी आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा क्योंकि अधिकांश योजनाओं में पटवारी की रिपोर्ट लगती है उसके बाद ही आगे कार्रवाई होती है। जिसमें प्रधानमंत्री सम्मान निधि से लेकर सीएम सम्मान निधि, बीपीएल कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, भूखंडों व आवास के प्रमाण पत्र भी नहीं बन पा रहे हैं। सरकार के द्वारा लाडली बहनाओं को सीएम आवास योजना भी लागू की गई है ऐसी स्थिति में बहनों को आवास कैसे उपलब्ध होंगे जब तक उनके भूअखंड नहीं मिलेंगे जब तक आगे की कार्रवाई भी नहीं हो पाएगी। साथ ही बटवारा, फोती, नामांतरण फसल कटाई प्रयोग भी होना है। वह काम भी नहीं हो पा रहा है। वैसे ही वर्षा कम होने के कारण विकासखंड में फसले प्रभावित हो गई है। जिसके चलते किसान भी बर्बाद फसलों को लेकर पहुंच रहे हैं ज्ञापन देकर फसलों की जांच कर कर मुआवजा और फसल बीमा दिलवाने की मांग कर रहे हैं। पटवारी की हड़ताल होने के कारण आम जनता के जरूरी काम भी नहीं हो पा रहे हैं जिनमें कई लोगों को जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता हो रही है। जिसको बनवाने के लिए वह परेशान हो रहे हैं आवेदन के बाद भी रिपोर्ट नहीं लगने के कारण अधिकारियों उन्हें जारी नहीं कर पा रहे हैं। इसकी वजह से उनकी मुश्किलें बड़ी हुई है आयुष्मान कार्ड योजना प्रारंभ के कार्ड बनवाने के लिए भी कहीं लोग परेशान हो रहे हैं। नामांतरण के जो प्रकरण तहसील कार्यालय में चल रहे हैं उनमैं भी रिपोर्ट नहीं लग पर है इसके अधिकारियों के पास पहुंचकर इसके संबंध में जानकारी ले रहे हैं, अधिकारी तारीख पर तारीख देने का काम पटवारी हड़ताल की वजह से समस्या बढ़ती ही जा रही है।

हैरानी की बात तो है कि सरकार के द्वारा इस समय हर किसी को कुछ ना कुछ देने का काम किया जा रहा है महापंचायत करके उनकी मांगों को पूर्ण किया जा रहा है इसके बाद भी पटवारी की वर्षो पुरानी मांग को भी पूर्ण करने के लिए कदम नहीं उठाया जा रहे हैं।

इनका कहना है

तीन मांगों को लेकर हमारी हड़ताल चल रही है जिसमें एक मांग को पूर्ण करने का आश्वासन कई साल पहले सीएम दे चुके हैं फिर भी उसको आज तक पूर्ण नहीं किया गया इस बार हम लोगों ने निर्णय लिया है, जब तक हमारी मांगा नहीं मानी जाएंगे हम अपनी हड़ताल वापस नहीं लेंगे। **सुनील यादव**, पटवारी संघ अध्यक्ष

पटवारी की हड़ताल से राजस्व विभाग से संचालित होने वाले सारे काम प्रभावित हो रहे हैं , प्रकरणों में रिपोर्ट नहीं लग पा रही है हमारे पास आकर हितग्राही आवेदन दे रहे हैं हम उन में भी आगे कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं । हड़ताल जल्दी खत्म होगी तो आम जन और किसानों के काम भी होने लगेंगे।
संजय नागवंशी,तहसीलदार सिरोंज

सरकार को भी हो रहा है नुकसान

पटवारी की हड़ताल जल्दी खत्म नहीं होगी तो इसका नुकसान सरकार को भी होगा क्योंकि हितग्राहियों के जरूरी काम भी नहीं हो इसकी वजह से उनमें भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। वहीं पटवारी ने ठान लिया है जब तक सरकार उनकी मांग को पूर्ण नहीं करेगी तब तक उनकी हड़ताल इसी तरह निरंतर जारी रहेगी। इसको खत्म करवाने के लिए नीचे से लेकर ऊपर तक के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों को आमजन, किसानों के हित में हड़ताल खत्म करवाने के लिए पहल करनी होगी। जबकि भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा भी निकल रही है। इसमें मुख्यमंत्री भी पहुंच रहे उनके पास ही पटवारी की हड़ताल की सूचना पहुंच गई होगी फिर उनके द्वारा भी इस हड़ताल को समाप्त करवाने के लिए कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं । जल्दी ही विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता भी लग सकती है इसकी जानकारी होने के बाद भी कम क्यों बढ़ाया जा रहे हैं यह समझ में नहीं आ रहा है। अब देखना है कि पटवारी की हड़ताल कितने दिन और चलेगी सरकार कब उनकी हड़ताल को खत्म करवाने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल (म.प्र.)

क्र./ था. प्रतलै./ भो/ डी. / 27/ गुम इन्सान 27 / 23. दिनाक 18/09/23

जाहिर सूचना

कैफियतं मामला इस प्रकार है कि सूचक श्रीमति नगमा पत्नी नवाब मंसूरी उम्र 33 साल निवासी हसीम भाई का मकान फईम केटर्स के पास दंगे खाँ मस्जिद के पास भोईपुरा थाना तलैया भोपाल मोन 8950461416 में अपनी छोटी बहन हुसना के साथ थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मैं उपरोक्त लिखाये पते पर रहती हूँ तथा घर का काम काज करती है मेरी छोटी बहन सना की पति वसीम उर्फ साजिद उम्र 27 वर्ष निवासी शेखु भाई का किराये का मकान म नं. 12 गली नं. 02 इब्राहिम मस्जिद के पास तलैया भोपाल मो नं. 7772829235, अपने पति एवं बच्चे के साथ रहती है जो दिनांक 04/09/23 को प्रातः 8 बजे के आसपास बिना बताये घर से चली गई है साथ मे अपने बेटे अबुजर उम्र 11 वर्ष को भी साथ में ले गयी है सना का हुलिया चेहरा गोल, रंग गोरा, आंखे काली, सिर के बाल काले, ऊंचाई करीब 5 फिट 6 इंच, शरीर दुबला पतला है, काले रंग का बुर्का पहने है जिसके दांये आंख के ऊपर पुरानी चोट का निशान है पैरो में चप्पल पहने है जिसका मोबाइल फोन उसी दिन से बंद आ रहा है मैने सना की तलाश अपने रिस्तेदारों, जान पहचान वालो के यहां तलाश किया जिसका कोई पता नहीं चला आज मैं थाने पर सूचना देने आई हूं कार्यवाही की जाये। सूचक की सूचना पर गुमइंसान क्र. 27/23 कायम कर जांच में लिया गया।

गुम इन्सान हुलिया – हुलिया चेहरा गोल, रंग गोरा, आंखें काली, सिर के बाल काले, ऊंचाई करीब 5 फिट 6 इंच, शरीर दुबला पतला है, काले रंग का बुर्का पहने है जिसके दांये आंख के ऊपर पुरानी चोट का निशान है पैरो में चप्पल पहने है। थाना प्रभारी तलैया के मो. नं. 9479990560 ,0755-5443230 एवं जांचकर्ता 8518052727 है।

थाना प्रभारी
थाना तलैया भोपाल

जी-19911/23

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड अरविन्द बिहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग गुंगालिया, भोपाल पिनकोड 462043

Phone No. 0755-2930001, E-Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in

क्रमांक 2531 / तक / का.चं. / लो.स्या. / मैके.खण्ड / भोपाल / 2023-24/ दिनांक 15/09/2023

निविदा क्रमांक 40 (द्वितीय आमंत्रण) / 2023-2024 ऑन लाईन निविदा क्रमांक 2023 PHED 308493-1 दिनांक 15.09.2023

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में माननीय राज्यमंत्रीजी के निवास कार्यालय एवं प्रमुख अभियंता कार्यालय हेतु अनुबंधित फोटो कॉपी मशीनें उपलब्ध कराये जाने हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 26.09.2023 सायं 17.00 बजे तक प्रतिष्ठित फर्मों (निविदा शर्तों अनुसार अहर्ताधारी) से एपेंडिक्स 2.10 पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु निविदा अनुसार वांछित समस्त दस्तावेज इत्यादि निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन अपलोड करना होगा। निविदा दिनांक 27.09.2023 को सायं 17.15 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। कार्य की अनुमानित लागत रूपये 8,84,000/- (रूपये आठ लाख चौसठ हजार) मात्र है तथा प्रतिभूति राशि रूपये 17,280/- (रू. सत्रह हज़ार दो सौ अस्सी) मात्र है। निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंटस) राशि रूपये 2000/- दिनांक 26.09.2023 सांय 17.00 बजे तक ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत बेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

कार्य का विवरण	टेंडर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	टेंडर का मूल्य (रु.)	टेंडर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेंडर खुलने तिथि	कार्य अवधि
वर्ष 2023-24 में माननीय राज्यमंत्रीजी के निवास कार्यालय एवं प्रमुख अभियंता कार्यालय हेतु अनुबंधित फोटो कापी मशीने उपलब्ध कराये जाने का कार्य	8,64,000.00	17,28.00	2,000.00	26.09.23, सांय 17.00 तक	27.09.23 17.00	अनुबंध दिनांक से 01 वर्ष

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्ते एवं विवरण वेब साइट पर https://mptenders.gov.in निविदा क्रमांक 2023_PHED_308493-1 दिनांक 15.09.2023 उपलब्ध हैं।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. मैकेनिकल खण्ड
भोपाल

जी-19907/23

अभी वनडे में टीम इंडिया 115 अंक के साथ दूसरे स्थान पर

कंगारुओं से सीरीज जीतते ही टीम इंडिया बन जाएगी नंबर-1

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के पास वर्ल्ड कप में दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम बनकर उतरने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया यह अचीवमेंट हासिल कर सकती है। कंगारुओं के खिलाफ सीरीज जीतते ही टीम इंडिया टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बन जाएगी।

इस स्थिति में भारत एक साथ सभी फॉर्मेट की रैंकिंग के टॉप पर पहुंचाने वाला दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा। साउथ अफ्रीका ही अब तक 2014 में यह मुकाम हासिल कर सका है। वर्तमान रैंकिंग में भारतीय टीम टेस्ट और टी-20 में नंबर-1 है, लेकिन वनडे में टीम 115 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। टॉप पोजिशन पर स्थित पाकिस्तान के पास भी 115 अंक ही अंक हैं। टीम इंडिया अगर वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा देती है तो 116 अंक के साथ टीम वनडे में भी नंबर-1 बन जाएगी। ऑस्ट्रेलिया पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने की स्थिति में भारत 118 अंक के साथ वनडे की बादशाहत हासिल करेगा। टीम इंडिया अगर वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप कर लेती है तो टीम वनडे रैंकिंग में 118 अंक हासिल कर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएगी। जबकि पाकिस्तान 115 अंक के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 108 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहेगा। 2-1 से सीरीज जीते तो 116 अंक होंगे।

ओवरऑल आंकड़े ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में, भारत घर में टक्कर दे रहा

भारत में टीम इंडिया कंगारुओं को कड़ी टक्कर देती है, लेकिन भारतीय सिलेक्टर्स ने वर्ल्ड कप से पहले टीम के 5 सीनियर खिलाड़ियों को रेस्ट दिया है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव को सीरीज के शुरुआती 2 मैचों से आराम दिया गया है। इस चयन से ऐसा लगता है कि सिलेक्टर्स अभी नंबर-1 बनने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। इसका संकेत 2 फैक्ट के जरिए मिलता है। पहला, रोहित शर्मा का बयान और दूसरा, एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी सुपर-4 मैच। रोहित बोले- हमारा फोकस बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी टीम का ऐलान करते हुए कहा था कि हमारा उद्देश्य वर्ल्ड कप से पहले बेंच स्ट्रेंथ को मौके देने पर है, क्योंकि पिछले एक-डेढ़ साल से टीम चोटों के दौर से गुजर रही है। वर्ल्ड कप में हमें करीब 10 से 11 मैच खेलने हैं। ऐसे में किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर नए चेहरे को बिना मैच प्रैक्टिस के सीधे वर्ल्ड कप में नहीं उतार सकते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 5 बदलाव एशिया कप में सुपर-4 स्टेज के आखिरी मैच से पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 5 बदलाव किए और मुकाबला गंवा दिया। उस दिन भी भारत के पास बांग्लादेश को हराकर वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम ने इस पर जोर न देकर फाइनल और बेंच स्ट्रेंथ आजमाने की रणनीति पर फोकस किया। क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ भारत अपनी फुल स्ट्रेंथ के साथ उतरता तो जीतने के ज्यादा मौके रहते।

19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत, कंबोडिया को 3-0 से हराया

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का दूसरा लीग मुकाबला साउथ कोरिया से आज

हांगझोउ, एजेंसी

भारत ने 19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की है। यहां चीन के हांगझोउ शहर में चल रहे इन गेम्स में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने लीग मुकाबले में कंबोडिया 3-0 से हराया, जबकि ग्रुप-ए के फुटबॉल मुकाबले में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को चीन ने 5-1 से हरा दिया। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का दूसरा लीग मुकाबला साउथ कोरिया के खिलाफ होगा, जबकि फुटबॉल टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी।

अमित ने दिलाए सबसे ज्यादा अंक: भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल की। टीम ने कंबोडिया को पहले गेम में 25-14 के अंतर से हराया। टीम ने पहला गेम 22 मिनट में जीता। इसी प्रकार दूसरा गेम 19 मिनट में 25-13 और तीसरा 19 मिनट में 25-19 से हराया। भारतीय टीम को सबसे ज्यादा अंक जर्सी नंबर-11 अश्वराज ने दिलाए। उन्होंने 17 अंक अर्जित किए, वहीं कंबोडिया से जर्सी नंबर-15 मॉर्गन ने सबसे ज्यादा 9 अंक बटोरे।

फुटबॉल : टीम इंडिया ने पहले हाफ में अच्छी टक्कर दी, दूसरे हाफ में खाए 4 गोल

पुरुष फुटबॉल के ग्रुप-ए के पहले मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम को करारी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम को मेजबान चीन ने 5-1 के अंतर से हराया। वर्तमान में भारत वर्ल्ड रैंकिंग में 101वें पायदान पर है, जबकि चीन 81वीं रैंक टीम है। लेकिन भारतीय टीम अपने इस मोमेंटम को दूसरे हाफ में बरकरार नहीं रख सकी और मेजबान टीम ने एक के बाद एक चार गोल और ठोंक दिए। भारतीय टीम पूरे मुकाबले में एक गोल ही कर सकी, जो राहुल केपी के बूट से आया।

राहुल केपी ने 9 साल बाद एशियाड में गोल दागा

फुटबॉल पहले लीग मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार शुरुआत की। मेजबान टीम को गाओ ताई ने 17वें मिनट में गोलकर 1-0 की बढ़त दिलाई, हालांकि भारतीय स्टार राहुल केपी ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। यहां हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर था। राहुल केपी ने 9 साल बाद एशियन गेम्स में भारत की ओर से गोल दागा, हालांकि दूसरे हाफ में चीन के दाई विजूंन ने 51वें, ताओ कियांगलोंग ने 72वें और 75वें और फेंग हाओ ने मैच के इंजरी टाइम में गोल दागे।

एशियन गेम्स विमेंस क्रिकेट: इंडोनेशिया ने मंगोलिया को 172 रन से हराया

क्वार्टर फाइनल का क्वालिफायर मुकाबला कल

इस्लामाबाद, एजेंसी

एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट कॉम्पिटिशन के पहले मैच में इंडोनेशिया ने मंगोलिया को 172 रन से हरा दिया। मंगोलियाई टीम महज 15 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। विमेंस क्रिकेट टी-20 फॉर्मेट में ये 8वां सबसे छोटा स्कोर है। सबसे छोटा स्कोर छह रन का है, जो मालदीव ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में बनाया था। झीजांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग के क्रिकेट मैदान पर खेले गए इस मैच में मंगोलिया ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। इंडोनेशिया ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 187 रन बनाए।

जवाब में मंगोलियाई टीम 10 ओवर में 15 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। मलेशिया और हॉन्ग कॉन्ग के बीच ग्रुप-बी का मुकाबला खेला गया। मलेशिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 104 रन बनाए। हॉन्ग कॉन्ग टीम 82 रन पर ही ऑल आउट हो गई। मंगोलिया और हॉन्ग कॉन्ग के बीच क्वार्टर फाइनल क्वालिफायर मुकाबला होगा। इसमें हारने वाली टीम 21 सितंबर को भारत का सामना करेगी।

क्वालिफिकेशन राउंड में निश्चल ने 592 स्कोर के साथ किया क्वालिफाई

निश्चल ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में सिल्वर जीता

रियो, एजेंसी

रियो में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में निश्चल ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता। भारत का इस वर्ल्ड कप में दूसरा मेडल है। इससे पहले 10 मीटर राइफल में विमेंस में भारत को गोल्ड मिला था। निश्चल का यह सीनियर वर्ग में पहला वर्ल्ड कप है। निश्चल ने फाइनल में 458.0 स्कोर किया। पहले नंबर पर रही नॉर्वे की ऐस जीनत हेग डुएस्टेड ने 461.5 स्कोर के साथ गोल्ड जीता। जबकि डेनमार्क की स्टेफनी ग्रुंडसोई ने 447.6 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। नॉर्वे खिलाड़ी डुएस्टेड एयर राइफल यूरोपियन चैंपियन हैं।

साथ ही वह 300 मीटर थ्री पोजीशन की भी वर्ल्ड चैम्पियन भी हैं। वे वर्ल्ड कप में 5 गोल्ड सहित 12 मेडल जीत चुकी हैं। टोक्यो ओलिंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं। क्वालिफिकेशन राउंड में निश्चल ने 592 अंक के साथ फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुईं। जबकि अन्य भारतीय शूटर अंजुम और आयुषी फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। अंजुम 586 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में 10वें स्थान पर रहीं और आयुषी 580 अंकों के साथ 35वें स्थान पर। 45 शॉट के फाइनल में कभी डुएस्टेड तो कभी निश्चल पहले स्थान पर रहीं। पहले घुटने पर बैठ कर निशाना साधने में 15 शॉट के बाद निश्चल 0.1 से डुएस्टेड से पीछे रहीं। उसके बाद जमीन पर लेट कर निशाना साधने में 15 शॉट के बाद भी वह दूसरे स्थान पर रहीं। सीधा खड़ा होकर निशाना साधने में उतार-चढ़ाव रहा। दोनों का एक एक शॉट को अमान्य घोषित किया गया। नॉर्वे शूटर की 41वें शॉट को और निश्चल के 42वें शॉट को रद्द कर दिया गया। इस स्कोर को उनके फाइनल में नहीं जोड़ा गया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बचपन में मां की साड़ी को हमेशा पकड़े रहता था-जैकी

जैकी श्रॉफ अक्सर अपने स्ट्रगल के दिनों का जिक्र किया करते हैं। वहीं अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जैकी ने उस चॉल का जिक्र किया, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी के 33 साल बिताए थे। एक्टर ने कहा कि वह जब कभी भी उस चॉल में जाते हैं तो बेहद इमोशनल हो जाते हैं। इंटरव्यू में जैकी श्रॉफ ने बताया कि वह अभी भी अपने चॉल जरूर जाते हैं, क्योंकि उस जगह से उनकी कई भावनाएं जुड़ी हुई हैं। एक्टर ने बताया कि वह हाल ही में अपने चॉल गए थे। वहां पर उन्होंने 89 साल की एक महिला का जन्मदिन मनाया और अपने पुराने दोस्तों और करीबियों से मुलाकात की थी। जैकी ने कहा- मैंने अपनी जिंदगी के 33 साल वहीं बिताए हैं। यह चॉल मेरे दिल के बेहद खास रहा है। बातचीत के दौरान जग्गू दादा से उनके हाथ और गर्दन पर हमेशा स्कार्फ पहनने को लेकर सवाल किया गया। इसके पीछे की वजह बताते हुए जैकी ने अपने अंदाज में कहा- बचपन में मां की साड़ी को हमेशा पकड़े रहता था, पता नहीं क्यों ऐसा करने से मुझे शांति मिलती थी। जैकी ने आगे कहा- उनकी साड़ी पकड़ने से मुझे मुलायम कपड़ों की आदत हो गई। शायद यही से मुझे गले में स्कार्फ या रूमाल डालने की आदत लगी है। जैकी ने आगे बताया कि उन्हें बांधनी प्रिंट बचपन से ही बहुत पसंद है। उन्होंने इसे फिल्म रंगीला में भी इस्तेमाल किया था। जैकी ने बताया कि वह देव आनंद के बहुत बड़े फैन रहे हैं।

बातचीत के दौरान एक्टर ने उनकी फिल्म तीन देवियां का गाने 'कहीं बे ख्याल होकर' की कुछ लाइन गुनगुनाईं। वहीं जैकी संजय दत्त, सनी देओल और मिथुन चक्रवर्ती के साथ फिल्म बाप में नजर आएंगे।

फरीदा बोली- अमिताभ-जया से मेरा रिश्ता पुराना

दिग्गज एक्ट्रेस फरीदा जलाल ने हाल ही में अमिताभ और जया बच्चन के रिलेशनशिप के दिनों को जिक्र किया। एक्ट्रेस ने बताया कि वह जया और अमिताभ को सालों पहले से जानती हैं। एक्ट्रेस ने दोनों के साथ काम के एक्सपीरियंस को लेकर भी बात की। फरीदा ने बताया कि एक दौर था, जब वो अमिताभ और जया एक साथ कॉफी आउटिंग और लॉन्ग ड्राइव जाया करते थे। एक इंटरव्यू में फरीदा ने कहा- 'अमित जी के साथ मेरा बहुत पुराना रिश्ता है और जया के साथ उससे भी पुराना। हमारे मन में आज भी एक-दूसरे के लिए बहुत प्यार और सम्मान है। भले ही अब हम इतनी बार नहीं मिलते हैं, लेकिन इससे हमारे एक-दूसरे के प्रति प्यार पर कोई असर नहीं पड़ा है। फरीदा ने आगे कहा- 'उस समय हमारा एक बड़ा ग्रुप हुआ करता था। हम हमेशा मिलते रहते थे।

पल्लवी बोली- जिंदगी फूलों की सेज की तरह न रहे...

एक इंटरव्यू में अभिनेत्री पल्लवी जोशी से पूछा गया कि कश्मीर फाइल्स के बाद मिली धमकियों और सोशल मीडिया के जरिए फैली नेगेटिविटी को लेकर और अब जब से द वैक्सीन वॉर का ट्रेलर लॉन्च हुआ है, क्या कभी खौफ नहीं आता कि ऐसी चीजों से बचना चाहिए? इस सवाल के जवाब में पल्लवी ने कहा, अगर आप पढ़ें ही नहीं तो क्या खौफ लगेगा? सोशल मीडिया में हम ये कमेंट्स नहीं पड़ते और मैं तो हूं ही नहीं सोशल मीडिया पर। जब हमनें शुरुआत की थी तब मुझे ऐसा लग रहा था कि इस पथ पर चलें कि न चलें? हो सकता है जिंदगी फूलों की सेज की तरह न रहे इसलिए जो सोच विचार करना था वो पहले ही कर लिया था। वहीं डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद अपनी अगली फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विवेक की रूचि पॉलिटिकल फिल्में बनाने में है...

वहीं पल्लवी जोशी ने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडस्ट्री के बदले हुए बर्ताव के बारे में भी बात की और कहा कि शायद द वैक्सीन वॉर के बाद जिंदगी फूलों की सेज की तरह न रहे। विवेक अग्निहोत्री की फिल्मों में लोग राजनीति जोड़ने लगते हैं, इस बात पर पल्लवी ने कहा, विवेक पॉलिटिकल फिल्में बनाते हैं क्योंकि उनकी रूचि है। अगर लोग ऐसा समझते हैं, तो बिल्कुल सही समझते हैं लेकिन हां, जिस तरह से कुछ लोग रिएक्ट करते हैं उससे मुझे आपत्ति है। पल्लवी जोशी ने मात्र 4 साल की उम्र से फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। द वैक्सीन वॉर के ट्रेलर लॉन्च के बारे में पल्लवी ने बताया कि जिस तरह से लोग ट्रेलर को पसंद कर रहे हैं, वे बहुत शुक्रगुजार हैं। आगे फाइट की बात करते हुए कहा, कोविड के दौरान कुछ लोगों का ग्रुप था जो इस बात पर अड़ गया था कि विदेशी वैक्सीन ही हम लोगों को लेनी चाहिए।

इस साल के आखिर तक 65 हजार तक जा सकता है सोना

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

त्योहारों में सोने-चांदी की बीच मांग बढ़ेगी। इसके चलते दिवाली तक सोना 62,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 78-80 हजार रुपए प्रति किलो तक जा सकती है। 2023 के अंत तक सोना 65,000 रुपए का और चांदी 90,000 रुपए तक पहुंचने की संभावना है। वहीं गोल्ड इटीएफ (गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में बीते महीने यानी अगस्त में 1,028 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। ये गोल्ड इटीएफ में 16 महीनों का रिकॉर्ड निवेश है। इससे पहले अप्रैल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण इसमें 1,100 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। इस साल अमेरिका में ब्याज दरें लगातार बढ़ने से रिस्क बढ़ने के चलते गोल्ड इटीएफ में निवेश बड़ा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक,

गोल्ड इटीएफ में 2023 में अब तक 73.40 फीसदी निवेश सिर्फ अगस्त में आया। इस साल में अगस्त तक इसमें कुल 1,400 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। जुलाई में गोल्ड इटीएफ में 456 करोड़ रुपए आए थे। अप्रैल-जून में इस श्रेणी में 298 करोड़ का ही निवेश हुआ था। इससे पहले लगातार तीन तिमाहियों में गोल्ड इटीएफ में बिकवाली देखने को मिली थी। जनवरी-मार्च 2023 में इस श्रेणी से 1,243 करोड़ रुपए, अक्टूबर-दिसंबर 2022 में 320 करोड़ रुपए और जुलाई-सितंबर 2022 में 165 करोड़ रुपए की निकासी हुई थी। अप्रैल 2022 के बाद इस साल अगस्त में गोल्ड इटीएफ में सबसे अधिक मासिक निवेश हुआ। गोल्ड इटीएफ एक ओपन एंडेड म्यूचुअल फंड होता है, जो सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर आधारित होता है। यह गोल्ड में इन्वेस्टमेंट के साथ स्टॉक में इन्वेस्टमेंट की फ्लेक्सिबिलिटी देता है। गोल्ड इटीएफ की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह इटीएफ पर हो सकती है।

टाटा ने इस साल चौथी बार बढ़ाए गाड़ियों के दाम

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स ने अपने कमर्शियल व्हीकल्स की कीमतों मे इजाफा करने का ऐलान किया है। बढ़ी हुई कीमतें एक अक्टूबर से लागू होंगी। अगर आप टाटा की कमर्शियल गाड़ी खरीदना चाहते हैं तो आपके पास कम दाम में इन्हें खरीदने का मौका 30 सितंबर तक यानी 12 दिन तक का है। इसके बाद कंपनी की ये गाड़ियां महंगी मिलेंगी। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कमर्शियल व्हीकल के अलग-अलग मॉडल्स और वैरिएंट्स की कीमतों में एवरेज 3 फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। टाटा मोटर्स ने फाइलिंग में कीमतों में बढ़ोतरी करने की वजह भी बताई है। कंपनी ने बताया है कि ओवरऑल इनपुट कॉस्ट यानी कार की मेकिंग कॉस्ट बढ़ने की वजह से कंपनी ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स के दाम बढ़ाने का यह फैसला किया है। कंपनी ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में इस साल चौथी बार बढ़ोतरी की है। इससे पहले कंपनी ने 3 जुलाई को पैसेंजर कारों की कीमतों को बढ़ाने का एलान किया था। कंपनी ने 17 जुलाई से कारों के अलग-अलग मॉडल्स और वैरिएंट्स की कीमतों में 0.6त्न का इजाफा किया था। पिछली बार भी लागत में इजाफे के कारण दाम बढ़ाए गए थे। कंपनी ने अपने वाहनों को नए एमिशन नॉर्म्स का अनुपालन करने के लिए कंपोनेंट्स में बदलाव किए थे।

आठ साल बाद हुआ था आईवीएफ से बेबी, दूध नहीं पीने के कारण थी परेशान

फौजी की पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित श्री ईएमई सेंटर पनामा कॉलोनी में मंगलवार देर रात फौजी की पत्नी ने घर के पास लगे पेड़ पर दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उन्हें आठ साल बाद टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) से बच्चा हुआ था। तीन महीने का बच्चा होने के बाद भी वह ठीक से दूध नहीं पी रहा था। इसी को लेकर वह तनाव में रहने लगी थी। देर रात सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा।

एएसआई प्रवीण सिंह बैस ने बताया कि मूलतः बिहार निवासी राजीव कुमार, श्री ईएमई सेंटर, पनामा कॉलोनी में रहते हैं और आर्मी में पदस्थ हैं। उनके साथ उनकी पत्नी ममता कुमारी रहती थी। ममता और राजीव की शादी करीब साढ़े 8 साल पहले हुई थी। उन्होंने गत वर्ष ही आईवीएफ कराया था और तीन महीने पहले उनके घर एक बेटे ने जन्म दिया। बेटा स्वस्थ्य है, लेकिन वह दूध

नहीं पी रहा था। राजीव कुमार ने बताया कि बेटा होने के कारण उनकी सास आई हुई। मंगलवार रात वे ड्यूटी पर गए हुए थे। घर में उनकी पत्नी और सास थी। सास का रात करीब साढ़े 11 बजे के आसपास उनके पास कॉल आया था। वह कह रही थी कि ममता बिना बताए कहीं चली गई और नजर नहीं आ रही। राजीव कुमार ड्यूटी से घर पहुंचे तो उन्होंने घर से थोड़ी दूर पर लगे पेड़ पर पत्नी ममता कुमारी का लाश दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी देखी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया और महिला पुलिसकर्मी से शव की तलाशी ली गई, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला।

बुजुर्ग ने फांसी लगाई, मोबाइल व्यापारी का शव पटरियों पर मिला

भोपाल। शाहपुरा में रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजन उन्हें फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर

पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक सुरेश सिंह (70) ईश्वर नगर में परिवार के साथ रहते थे। मंगलवार सुबह घर वाले पास ही झांकी पर चले गए थे। कुछ समय बाद लौटे तो सुरेश दिखाई नहीं दिए। काफी देर बाद बुजुर्ग पत्नी पहली मंजिल पहुंची तो सुरेश साड़ी का फंदा बनाकर शेड के पाइप से लटके मिले। घर वालों ने उन्हें फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शव रेल पटरी पर

उधर मोबाइल फोन की दुकाने चलाने वाले एक व्यापारी का शव खजूरी सड़क थाना इलाके में सोमवार रात रेल पटरी से बरामद हुआ है। मंगलवार सुबह उसकी पहचान पंचवटी कालोनी निवासी 50 वर्षीय धर्मेंद्र देवनानी के रूप में हुई है। व्यापारी नादरा बस स्टैंड के पास मोबाइल फोन की दुकान चलाते थे। पुलिस के मुताबिक व्यापारी धर्मेंद्र सोमवार दोपहर को दुकान से निकले थे। उसके बाद घर नहीं पहुंचे। उधर रात को पुलिस को जलसा मैरिज गार्डन के पीछे रेल पटरी पर शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। शव की पहचान मंगलवार सुबह हो सकी। तलाशी में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

फिर खिली धूप...

भोपाल। बीते दिनों हुई बारिश के बाद मौसम फिर बदल गया है। दिन में धूप खिली। तापमान में भी बढ़ोत्तरी हुई है।

अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी इलाके में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे युवक को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक दीपक रघुवंशी (22) महावीर बस्ती गांधी नगर में रहता था और प्रायवेट काम करता था। सोमवार शाम करीब चार बजे वह अपने भाई अमित रघुवंशी के साथ पैदल ईंटखेड़ी थानांतर्गत ग्राम परेवाखेड़ा हाईवे पर पैदल जा रहा था। शाम करीब चार बजे अमित मीना चौराहा स्थित एक दुकान पर रुककर गुटखा खरीदने लगा,

जबकि दीपक आगे निकल गया। कुछ देर बाद अमित आगे पहुंचा तो देखा कि सड़क पर काफी भीड़भाड़ है। वह नजदीक पहुंचा तो भाई दीपक घायल अवस्था में पड़ा मिला। आसपास के लोगों ने बताया कि अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मारी, जिससे उसे गंभीर चोट आई है। अमित घायल भाई को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां कुछ घंटों तक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उसे किसी मोटर सायकिल ने टक्कर मार दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाउस कीपिंग के लिए रख युवती से दो युवकों ने किया दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ बलात्कार और जान से मारने की धमकी देने से समेत शिकायत न करने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। दरअसल, दोनों युवकों ने अपने किराए के मकान पर युवती को हाउस कीपिंग करने के लिए रखा था और अलग अलग समय पर दोनों युवकों ने धमकाते हुए उससे दुष्कर्म किया। युवती ने दोनों की शिकायत करनी चाही थी, लेकिन वह जान से मारने की धमकी दे रहे थे। वे कहते थे कि पुलिस से शिकायत की तो जान से खत्म कर देंगे। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती इलाके में रहती हैं और घरों में साफ सफाई का काम करती है। उसकी मुलाकात एक महीने पहले तुफान नामक युवक से हुई?थी। उसने कहा था कि उसे और उसके दोस्त को घर में साफ सफाई के लिए बाई की जरूरत है। युवती ने कहा कि वह साफ सफाई और घर के काम कर देंगी। पीड़िता का कहना है कि गत महीने बीस अगस्त को आरोपी और उसके दोस्त द्वारा उससे दुष्कर्म किया गया था। पीड़िता ने डर के कारण उनके घर का काम छोड़ दिया था। इस पर आरोपी काम पर

आने के लिए दबाव बना रहे थे। इधर, कोलार थाना क्षेत्र में पंद्रह साल की नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है।

इधर, नाबालिग से पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

इधर, कोलार थाना क्षेत्र में पंद्रह साल की नाबालिग से पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार, पाक्सो समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिस के अनुसार 15 साल की नाबालिग कक्षा नवीं में पढ़ती है।

उसने पुलिस को बताया कि बीती रात करीब साढ़े 12 बजे वह घर के बाहर लघु शंका के लिए निकली?थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला मंगल लोहार उसके घर से कुछ दूरी पर खड़ा था। उसने पीड़िता को देखा और जबरन धमकाते हुए पास ही संतोष लोहार के खाली मकान में लेकर पहुंचा। वहां आरोपी ने धमकाते हुए पीड़िता से जबरन शारीरिक संबंध बनाए। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने धमकाते हुए कहा था कि यदि घटना की जानकारी किसी को दी तो वह जान से खत्म कर देगा। पीड़िता ने घटना की जानकारी घर पहुंचकर परिजन को दी। परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

बाइक फिसलने से घायल बुजुर्ग की मौत

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित बैरागढ़ कला में बीती रात

बाइक फिसलने से गिरे 60 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग का शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद उनका शव परिजन को सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार राजकुमार दादलानी (60) सीआरपी बैरागढ़ में रहते थे और व्यवसायी थे। बीती रात करीब 12 बजे के आसपास वह खजूरी सड़क से अपने घर बैरागढ़ की तरफ लौट रहे थे। इसी दौरान बैरागढ़ कला में विसर्जन घाट के पास उनकी बाइक फिसल गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच कर रहे एएसआई जेपी सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की गई?थी। इस दौरान पता चला कि किराना व्यवसायी राजकुमार दादलानी खुद ही बाइक अनियंत्रित होने के कारण गिरे थे।

जेल में बंद सिमी आतंकियों ने लाइब्रेरी की सुविधा नहीं देने पर शुरू की भूख हड़ताल

भोपाल। भोपाल की सेंट्रल जेल में बंद सिमी आतंकियों ने सामूहिक भूख हड़ताल शुरू की है। ये जेल प्रबंधन से समाचार पत्र, लायब्रेरी की सुविधा मांग रहे हैं। साथ ही इनका कहना है कि उन्हें सभी को एक साथ नमाज पढ़ने दिया जाए, घड़ियां भी दी जाए। जेल प्रबंधन ने सिमी आतंकिया की इन मांगों को अवैधानिक बता दिया था। जिसके बाद से इन्होंने हड़ताल शुरू की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने 14 सितंबर से हड़ताल कर रहे हैं। कैदियों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है। उनका मेडिकल चैकअप कराया जा रहा है।

ट्रेन से कटकर अज्ञात युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क इलाके में ट्रेन से कटकर अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सोमवार रात करीब साढ़े सात बजे स्टेशन मास्टर ने सूचना दी कि ग्राम बैरागढ़ कला के पास कोई व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आकर कट गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। फिलहाल शव को पीएम के लिए मचुर्री में रखवा दिया है। मृतक की उम्र तीस से पैंतीस वर्ष के बीच बताई गई है। शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर परिजनों ने बैरसिया थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

बाइक लेकर घर से निकले युवक का गुनगा में हलाली डेम से बरामद हुआ शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा पुलिस ने हलाली डेम से एक युवक की लाश बरामद की। मृतक बैरसिया के ग्राम शाहपुर का रहने वाला था। वह चार दिन पहले बाइक लेकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने बैरसिया थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी, जिसके बाद से पुलिस और परिजन तलाश कर रहे थे। उसकी बाइक भी घटनास्थल के पास खड़ी मिली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजनों को सौंप दी। आगे की जांच बैरसिया पुलिस द्वारा की जाएगी।

थाना प्रभारी अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि सोमवार दोपहर को सूचना मिली कि ग्राम बुधोर कला स्थित हलाली डेम के किनारे एक बाइक लावारिस हालत में खड़ी हुई

है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास तलाश किया, लेकिन बाइक मालिक नहीं मिला। संदेह के आधार पर डेम में सर्चिंग कराई गई तो एक युवक की लाश मिली। शव की पहचान राजू गुर्जर पुत्र कमल सिंह गुर्जर (22) निवासी ग्राम शाहपुर थाना बैरसिया के रूप में की गई। सूचना मिलते ही बैरसिया पुलिस और परिजन भी पहुंच गए थे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि राजू गुर्जर बीती 15 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसने क्लीनिक चलाने वाले अपने भाई को फोन करके बोला था कि बहुत दूर जा रहा है। घबराए परिजनों ने बैरसिया थाने पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। घटना के चौथे दिन उसकी लाश हलाली डेम से बरामद हुई। टीआई शर्मा ने बताया कि केस डायरी बैरसिया थाने भेज दी गई है। आगे की जांच बैरसिया पुलिस द्वारा की जाएगी। प्रारंभिक तौर पर यह मामला खुदकुशी का लग रहा है, लेकिन जांच के बाद ही सही घटनाक्रम का खुलासा हो पाएगा।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022